राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 01 सितम्बर 2025

वर्ष 14, अंक 141, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

निगोहां पुलिस की त्वरित कार्रवाई से साइबर फ्रॉड पीड़ित को 15 लाख की राहत....03

पत्नी से झगड़े के बाद सेंट्रल पर मिली पुलवामा में तैनात सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की लाश- जांच शुरू....04

राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के नियम तय करने की मांग, SC में याचिका दायर

● सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है जिसमें राजनीतिक दलों को नियमों में बांधने की मांग की गई है। याचिका में चुनाव आयोग से राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए नियम तय करने का आग्रह किया गया है ताकि धर्मनिरपेक्षता पारदर्शिता और लोकतंत्र को बढ़ावा मिले।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल हुई है जिसमें राजनीतिक दलों को नियम कानूनों में बांधने की मांग की गई है। दाखिल याचिका में मांग की गई है कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाए कि वह राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए नियम तय करे जिससे कि धर्मनिरपेक्षता, पारदर्शिता, लोकतंत्र और राजनीतिक न्याय को बढ़ावा मिले।

याचिका में यह भी मांग है कि केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह राजनीति में भ्रष्टाचार, जातिवाद, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता और अपराधीकरण को कम करने के लिए कदम उठाए। याचिका वकील अश्वनी उपाध्याय ने दाखिल की है।

पड़े थे छापे

याचिका में पिछले दिनों मीडिया में आई उस खबर का भी जिक्र है दो राजनीतिक दलों के दफ्तरों में आयकर के छापे पड़े थे, उन पर कालेधन को सफेद करने का आरोप है। याचिका में कहा गया है कि बहुत से राजनीतिक दल डोनेशन में रकम लेकर कुछ प्रतिशत काट कर वापस कर देते हैं और ऐसे कालेधन को सफेद किया जाता है।

ऐसे फर्जी राजनीतिक दल न सिर्फ लोकतंत्र के लिए खतरा हैं बल्कि विभिन्न अपराध में शामिल लोगों को पैसे लेकर पार्टी पदाधिकारी बना कर देश की छवि भी खराब कर रहे हैं। राजनीतिक दलों के लिए कोई नियम या रेगुलेशन नहीं है इसलिए कई अलगावववादियों ने डोनेशन कलेक्ट करने के लिए अपनी राजनीतिक पार्टी बना ली है।

विधेयक लाने की जरूरत महसूस हो रही है

ये सब इसलिए हो रहा हैं क्योंकि पंजीकृत राजनीतिक दलों की फंक्शनिंग रेगुलेट करने के लिए कोई नियम कानून नहीं हैं। लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए एक समग्र विधेयक लाने की जरूरत महसूस हो रही है।

जस्टिस जीवन रेड्डी की अध्यक्षता वाले विधि आयोग और जस्टिस एमएन वेंकेटचलैय्या की अध्यक्षता वाले संविधान समीक्षा आयोग ने इस पर विचार किया था। संविधान समीक्षा आयोग की विशेषज्ञ समिति ने राजनीतिक दलों के (पंजीकरण और नियमन) विधेयक 2011 ड्राफ्ट किया था।

चुनाव आयोग तय करे रूल रेगुलेशन

लेकिन उसके बाद की सरकारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। कई देशों में इस संबंध में कानून हैं। कहा है कि इसमें दो महत्वपूर्ण मुद्दे हैं पहला- इनर पार्टी डेमेक्रेसी की जरूरत और दूसरा राजनीतिक दलों में फंडिंग को लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही। याचिका में कहा गया है कि राजनीतिक दलों का संवैधानिक दर्जा होता है।

वो सरकार का भविष्य तय करती हैं और सार्वजनिक नीतियों पर निर्णय लेती है जिनसे लाखों लोग प्रभावित होते हैं लेकिन राजनीतिक दलों को रेगुलेट करने का कोई कानून नहीं है। राजनीतिक दलों की वर्किंग में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है इसलिए चुनाव आयोग को इसके लिए रूल रेगुलेशन तय करने चाहिए।

20% कमीशन काटकर ब्लैक मनी को व्हाइट में कर रहा... पार्टियों के लिए नियम बनाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

● सुप्रीम कोर्ट में अश्विनी कुमार उपाध्याय ने याचिका दायर कर निर्वाचन आयोग से राजनीतिक दलों के पंजीकरण और विनियमन के लिए नियम बनाने की मांग की है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है जिसमें निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों के पंजीकरण और उनके विनियमन के लिए नियम बनाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, ताकि धर्मनिरपेक्षता, पारदर्शिता और राजनीतिक न्याय को बढ़ावा दिया जा सके। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 'फर्जी राजनीतिक दल' न केवल लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं, बल्कि कट्टर अपराधियों, अपहरणकर्ताओं, मादक पदार्थों के तस्करों और मनी लॉन्ड्रिंग करने वालों से भारी मात्रा में धन लेकर उन्हें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पदाधिकारी नियुक्त करके देश की छवि भी खराब कर रहे हैं।

अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर याचिका में कहा गया है, "राजनीतिक दलों के लिए कोई नियम-कानून नहीं हैं. इसलिए, कई अलगावववादियों ने चंदा इकट्ठा करने के लिए अपनी राजनीतिक पार्टी बना ली है. इन दलों के कुछ पदाधिकारी पुलिस सुरक्षा पाने में भी सफल रहे हैं।"

एक हालिया मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए याचिका में दावा किया गया कि आयकर विभाग को एक 'फर्जी' राजनीतिक दल मिला है जो '20 प्रतिशत कमीशन काटकर काले धन को सफेद में बदल रहा है'. वकील अश्विनी कुमार दुबे के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया, ÷राजनीतिक दलों के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही जनहित में आवश्यक है क्योंकि वे सार्वजनिक कार्य करते हैं और इसलिए, भारत निर्वाचन आयोग को उनके लिए नियम और कानून बनाने चाहिए।÷

इसमें कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और ईमानदारी लाने के लिए विभिन्न सुधार शुरू किए हैं. इसमें कहा गया है, ÷संविधान के दायरे में राजनीतिक दलों को विनियमित करने का कदम मजबूत लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली का मार्ग प्रशस्त करेगा।÷

वैकल्पिक रूप से, याचिका में भारत के विधि आयोग को विकसित लोकतांत्रिक देशों की सर्वोत्तम प्रथाओं की पड़ताल करने और राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराधीकरण को कम करने के लिए राजनीतिक दलों के पंजीकरण और विनियमन पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

देश के इन राज्यों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी, कई जगहों पर स्कूल बंद करने के आदेश

नई दिल्ली। बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन से जूझ रहे पंजाब, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में अगले दो-तीन दिन बेहद मुश्किल हो सकते हैं। मौसम विभाग ने तीनों राज्यों में भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। पंजाब में यह पहली बार है कि इस वर्ष भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

हिमाचल में तीन सितंबर तक भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा उत्तराखंड के पांच जिलों में भी सोमवार को भारी वर्षा का रेड अलर्ट और बाकी जिलों में आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। रेड अलर्ट के चलते पंजाब में सभी स्कूल तीन सितंबर तक बंद रहेंगे। जबकि हिमाचल में शिमला, सोलन, सिरमौर, बिलासपुर और उत्तराखंड में देहरादून को छोड़कर सभी जिलों के 12वीं तक के सारे स्कूल सोमवार को बंद रहेंगे।

पंजाब के आठ जिले इन दिनों बाढ़ की चपेट में हैं। इन जिलों के 1,300 से ज्यादा गांव पानी से घिरे हैं। करीब दो लाख एकड़ फसल पानी में डूब गई है। मौसम विभाग की मानें तो पंजाब में अगस्त महीने में हो रही वर्षा ने 25 वर्ष के रिकार्ड तोड़ दिए हैं। आमतौर पर अगस्त महीने में 146.2 मिलीमीटर वर्षा होती है, जबकि इस वर्ष 253.7 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है जोकि सामान्य से 74 प्रतिशत ज्यादा है। सबसे ज्यादा वर्षा जालंधर में 178 मिलीमीटर, पठानकोट में 152 और तरनतारन में 139 मिलीमीटर दर्ज की गई

खुशखबरी! फिर घट गए एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम, कीमतों में हुई भारी कटौती

नई दिल्ली। एलपीजी गैस सिलेंडरों के दाम एक बार फिर कम हो गए हैं। इस बार कीमतें 51 रुपये तक कम कर दी गई हैं। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने ये बदलाव किया है। हालांकि यह कटौती केवल 19 किलोग्राम के कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों में की गई है। इस बदलाव के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के रिटेल कीमत 1580 रुपये हो जाएगी। अभी दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1631.50 रुपये है। नई कीमतें कल यानी 1 सितंबर से लागू होंगी।

लगातार घटाए जा रहे दाम

अगर सिर्फ मार्च महीने को छोड़ दें, तो 1 जनवरी 2025 से 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतें लगातार घट रही हैं। 1 जनवरी 2025 को इसमें 14.50 रुपये की कटौती की गई थी। इसके बाद फरवरी 2025 में 7 रुपये की कटौती हुई।

लेकिन 1 मार्च 2025 को कीमतों में 6 रुपये की मामूली बढ़ोतरी की गई। 1 अप्रैल 2025 को बड़ी कटौती करते हुए 19 किलो वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमत 41 रुपये घटा दी गई। इसके बाद 1 मई 2025 को 14 रुपये और 1 जून 2025 को 24 रुपये की कटौती की गई। 1 जुलाई 2025 को 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमत में 58.50 रुपये की बड़ी कटौती हुई। इसके बाद 1 अगस्त 2025 को 33.50 रुपये की फिर कटौती हुई। अब एक बार कीमतें घटा दी गई है।

संक्षिप्त ख़बरें

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता, अपहरण की आशंका में आरोपी पर केस

लालगंज, प्रतापगढ़। संदिग्ध परिस्थितियों में घर से किशोरी के लापता होने के मामले में एक आरोपी के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के पूरे इच्छाराम निवासी पीड़िता की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया है कि 27 अगस्त की रात उसकी नाबालिग पुत्री घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गयी। काफी खोजबीन के बाद भी उसका सुराग नही लग सका। पीड़िता ने आशंका जतायी है कि लालगंज कोतवाली के खपराही निवासी दुर्गा प्रसाद सरोज का पुत्र विक्रम सरोज उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। आरोपी किशोरी के साथ अप्रिय वारदात को भी अंजाम दे सकता है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व विधायक की पत्नी की लम्बी बीमारी से हुई मौत

कौशाम्बी। जनपद के दारानगर निवासी स्वर्गीय डॉ0 रामचरण त्रिपाठी (पूर्व विधायक) पूर्व राज्य मंत्री की धर्मपत्नी एवम पूर्व ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख (कड़ा) पूर्व ग्राम प्रधान दारानगर मूल प्रकाश त्रिपाठी की पूज्यनीय माता श्रीमती चन्द्रकला देवी का लम्बी बीमारी के उपरान्त सायं लगभग 4:00 बजे देहावसान हो गया है जिनकी अन्त्येष्टि रविवार दोपहर लगभग 11:00 बजे हनुमान घाट कड़ा में होगी। दिवंगत आत्मा की आत्मशान्ति के हेतू ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

आवारा कुत्तों का आभारी हूं...जानें क्यों बोले सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ

● केरल में मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती चुनौतियों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से आयोजित एक कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस विक्रम नाथ ने आवारा कुत्तों का आभार जताया. उन्होंने कहा कि कानूनी बिरादरी में वे अपने काम के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आवारा कुत्तों के मामले ने अब उन्हें न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में पहचान दिलाई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आवारा कुत्तों पर जस्टिस जेबी पारदीवाला की अगुवाई वाली बेच के आदेशों में संशोधन करने वाली बेंच का नेतृत्व करने वाले जस्टिस विक्रम नाथ ने इस मसले पर आज अपने हल्के-फुल्के अंदाज में अदालत से बाहर प्रतिक्रिया दी. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ, जिन्होंने 3 न्यायाधीशों की विशेष पीठ का नेतृत्व किया था, उन्होंने शनिवार को कहा कि वह आवारा कुत्तों के आभारी हैं, जिन्होंने मुझे न केवल इस देश में बल्कि दुनिया भर में पूरे सिविल सोसाइटी के सामने जाना-पहचाना बनाया।

जस्टिस नाथ ने कहा कि वह सीजेआई के भी आभारी हैं, जिन्होंने मुझे यह मामला आवंटित किया था. जस्टिस नाथ ने कहा कि उन्हें संदेश मिल रहे हैं कि कुत्ते प्रेमियों के अलावा, कुत्ते भी उन्हें आशीर्वाद और शुभकामनाएं दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि आशीर्वाद और शुभकामनाओं के अलावा, मुझे उनकी शुभकामनाएं भी प्राप्त हैं।

केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित हुआ सम्मेलन

जस्टिस नाथ राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) और केरल राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (KeLSA) द्वारा केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित 'मानव-वन्यजीव संघर्ष और सह-अस्तित्व- कानूनी और नीतिगत दृष्टिकोण' विषय पर एक क्षेत्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे।

केरल में मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती चुनौतियों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से आयोजित एक कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि कानूनी बिरादरी में वे अपने काम के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आवारा कुत्तों के मामले ने अब उन्हें न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में पहचान दिलाई है।

आवारा कुत्तों को लेकर जस्टिस विक्रम नाथ ने दिया था जजमेंट

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने कहा था कि दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को इकट्ठा करने का उसका पिछला आदेश "बहुत कठोर" था और इस मुद्दे पर ÷समग्र दृष्टिकोण÷ की आवश्यकता पर जोर दिया था।

शीर्ष अदालत की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने दो न्यायाधीशों की पीठ द्वारा 11 अगस्त को पारित आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि आवारा कुत्तों का बंध्याकरण, टीकाकरण और उन्हें उनके मूल क्षेत्रों में छोड़ा जाना चाहिए. केवल पागल और आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों को ही नहीं छोड़ा जा सकता।

पटना में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा- CM ने मॉडल अस्पताल का निरीक्षण कर दिए त्वरित निर्माण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना सिटी के गुरू गोविंद सिंह सदर अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन मॉडल अस्पताल भवन का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मॉडल अस्पताल के निर्माण कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह 100 बेड का पांच मंजिला मॉडल अस्पताल होगा, जिसमें मरीजों के इलाज की आधुनिक सुविधायें होंगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि इस मॉडल अस्पताल के भवन का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कर इसे फंक्शनल करें। इस मॉडल अस्पताल भवन के छत पर सोलर प्लेट भी लगवायें। उन्होंने कहा कि मॉडल अस्पताल का निर्माण कार्य पूर्ण होने से इस क्षेत्र के लोगों को इलाज में काफी सहूलियत होगी। इस मॉडल अस्पताल में अत्याधुनिक सुविधाओं के होने से बीमारियों का उपचार बेहतर ढंग से हो सकेगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, पटना प्रमण्डल के आयुक्त डॉ0 चंद्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एस0एम0 एवं पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के0 शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

SC और HCs में महिला जजों की संख्या पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने जताई चिंता

● सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) ने उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट में महिला न्यायाधीशों की संख्या पर गंभीर चिंता व्यक्त की है. SCBA ने सीजेआई और कॉलेजियम से आग्रह किया है कि न्यायिक नियुक्तियों में महिलाओं का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए. कई उच्च न्यायालयों में एक भी महिला न्यायाधीश नहीं हैं. जबकि सुप्रीम कोर्ट में केवल एक ही महिला न्यायाधीश कार्यरत हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में महिला जजों की संख्या की कमी पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने चिंता जताई है. बार एसोसिएशन ने अनुपातहीन रूप से महिला जजों के कम प्रतिनिधित्व पर चिंता जताई और प्रस्ताव पारित कर सीजेआई और कॉलेजियम से अनुरोध किया कि न्यायिक नियुक्तियों के आगामी दौर में अधिक महिला जजों की पदोन्नति पर तत्काल और उचित विचार करें।

बार एसोसिएशन ने कहा कि यह रिकार्ड में दर्ज है कि उत्तराखंड, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर जैसे कई उच्च न्यायालयों में वर्तमान में कोई महिला जज नहीं है. देश भर में उच्च न्यायालयों में जजों के करीब 1100 पद स्वीकृत हैं. इनमें से करीब 670 पर पुरुष और सिर्फ 103 पर महिलाएं कार्यरत हैं, जबकि शेष रिक्त हैं।

इस बात से बहुत निराश है बार एसोसिएशन

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया, बार एसोसिएशन इस बात को लेकर बहुत निराश है कि सुप्रीम कोर्ट में हाल ही में हुई नियुक्तियों में बार या बेंच से किसी भी महिला जज को प्रमोट नहीं किया गया है. जबकि साल 2021 से सुप्रीम कोर्ट में किसी भी महिला जज की नियुक्ति नहीं हुई है. मौजूदा समय में सुप्रीम कोर्ट की पीठ में केवल एक महिला जज कार्यरत हैं

एससीबीए ने सीजेआई को पत्र लिखा था

प्रस्ताव में कहा गया है, एससीबीए के

अध्यक्ष विकास सिंह ने 24 मई और 18 जुलाई को सीजेआई को पत्र लिखा था. इसमें आग्रह किया था कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट सहित उच्च न्यायपालिका में पदों पर कम से कम आनुपातिक प्रतिनिधित्व महिलाओं द्वारा भरा जाए।

एससीबीए को पूरा भरोसा है कि अदालती पीठ में अधिक लैंगिक संतुलन न केवल निष्पक्ष और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है बल्कि न्यायपालिका में लोगों के यकीन को मजबूत करने, न्यायिक दृष्टिकोण को समृद्ध करने और न्याय की सर्वोच्च संस्था में समाज की विविधता को प्रतिबिंबित करने के लिए भी जरूरी है।

कोटेदार की मनमानी से परेशान ग्रामीणों ने एसडीएम को दिया प्रार्थना पत्र

● महीनों से राशन के लिए भटक रहे बच्चे और महिलाएँ, आक्रोश में तहसील पहुँचे दर्जनों ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर। तहसील लहरपुर के विकास खण्ड बेहटा अंतर्गत गांजरी क्षेत्र की ग्राम पंचायत नरना पकौरी में कोटेदार की मनमानी से ग्रामीण महीनों से त्रस्त हैं। शुक्रवार को गाँव के करीब 70 आक्रोशित ग्रामीणों ने लहरपुर तहसील पहुँचकर उपजिलाधिकारी आकांक्षा गौतम को सामूहिक प्रार्थना पत्र सौंपते हुए कोटेदार जयवीर सिंह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माँग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार लाभार्थियों से अंगूठा लगवाकर महीनों तक राशन देने में हीलाहवाली करता है। हालात ऐसे हैं कि गरीब परिवारों को रोज़मर्रा का गुजारा करना मुश्किल हो गया है। कई बार ग्रामीण पड़ोसी ग्राम पंचायत के कोटेदार से गल्ला लेने को मजबूर हुए, लेकिन अब वहाँ से भी इनकार मिलने लगा। ग्रामवासियों ने बताया कि जब वे दोबारा अपने कोटेदार के पास पहुँचे तो उसने राशन कार्ड और बोरियाँ फेंक दीं और साफ कह दिया कि "गल्ला नहीं मिलेगा, जो करना है कर लो।" इस अपमान से ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा और वे महिलाएँ-बच्चों सहित तहसील पहुँच गए। महिलाओं का कहना है कि छोटे-छोटे बच्चों को लेकर महीनों से राशन की लाइन में खड़े हो रहे हैं, लेकिन हर बार खाली हाथ लौटना पड़ता है। कई परिवारों में रसोई की आग ठंडी पड़ी है, तो बच्चों को भरपेट भोजन तक नसीब नहीं हो रहा।

ग्रामीणों ने कहा - "अगर यही हाल रहा तो हम अपने बच्चों को लेकर कहाँ जाएँगे? आखिर कब तक दर-दर भटकते रहेंगे?" ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कोटेदार के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे सामूहिक धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। एसडीएम ने शिकायत पत्र प्राप्त कर मामले की जाँच कराने का आश्वासन दिया। ज्ञातव्य हो कि इससे पूर्व में भी बीती 19 अगस्त को ग्रामीणों द्वारा उप जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया गया था लेकिन अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। शिकायत कर्ताओं में प्रमुख रूप से ग्रामीण मनोज कुमार, पंकज कुमार लवकुश कुमार, रामहेत, राजेंद्र कुमार, विनय कुमार, हरिश्चंद्र, बराती लाल, पार्वती, मुन्नू लाल गजोधर, संभारी, ज्ञानवती, श्री राम, सुरेश, श्याम बिहारी, सुनील कुमार, केशव, नत्थाराम, जुगना, मखाना देवी, डंगरू, शांति, दीपू आदि शामिल रहे।

इस्कॉन से अनंत तक- प्रभुपाद की अमर आध्यात्मिक ध्वनि

स्वामी प्रभुपाद- साधारण से युगपुरुष बनने की अद्भुत यात्रा

जब कोई साधारण व्यक्ति अपने जीवन को असाधारण बना देता है और समस्त मानवता को एक नई राह दिखाता है, तब इतिहास उसे युगपुरुष के रूप में अमर कर देता है। स्वामी प्रभुपाद, जिनका जन्म 1 सितंबर 1896 को कोलकाता में अभय चरण डे के रूप में हुआ, ऐसी ही एक प्रेरक और युगांतरकारी विभूति थे। उनका जीवन एक ऐसी गाथा है, जो सिखाती है कि सच्ची भक्ति, अटूट विश्वास और निःस्वार्थ सेवा से असंभव भी संभव हो जाता है। बचपन से ही उनके हृदय में भगवान श्रीकृष्ण के प्रति असीम श्रद्धा थी। कोलकाता के इस साधारण बालक का मन भक्ति, अध्यात्म और सेवा की ओर झुका था। यह पहलू गहन रूप से प्रेरित करता है, क्योंकि यह दर्शाता है कि महानता का बीज छोटे-छोटे संकल्पों में छिपा होता है, जो दृढ़ता के साथ विश्व को बदल सकता है। स्वामी प्रभुपाद का जीवन दर्शाता है कि अटल आस्था और कर्म का संगम सीमाओं को तोड़ वैश्विक परिवर्तन लाता है। 1922 में गुरु श्रील भक्तिसिद्धांत सरस्वती ठाकुर से मिले आदेश, भगवद्गीता और भक्ति का संदेश पश्चिम तक पहुंचाने, को उन्होंने जीवन का लक्ष्य बनाया, भले ही उस समय भारत औपनिवेशिक शासन में था और पश्चिम में भारतीय अध्यात्म के प्रति उदासीनता थी। 1965 में, 69 वर्ष की आयु में, मात्र 40 रुपये और कुछ ग्रंथों के साथ वे अमेरिका रवाना हुए। "जलरानी" जहाज पर 35 दिन की कठिन यात्रा में दो हृदयाघात झेलने के बावजूद उनका संकल्प अडिग रहा। यह गाथा प्रेरणा देती है कि सच्चा उद्देश्य उम्र, संसाधन या परिस्थितियों का मोहताज नहीं होता। न्यूयॉर्क की हाड़-कंपाती सर्द सड़कों पर स्वामी प्रभुपाद का संघर्ष एक युग-परिवर्तनकारी महाकाव्य है। भजन, प्रसाद और श्रीकृष्ण की महिमा के प्रचार में उन्होंने असंख्य विपदाओं का डटकर सामना किया। प्रारंभ में अनसुनी रही उनकी सादगी और भक्ति की प्रबल शक्ति ने 1960 के दशक में भौतिकता के दलदल में फंसे पश्चिमी युवाओं के हृदय जीत लिए, जो आध्यात्मिक शांति की तलाश में भटक रहे थे। प्रभुपाद ने उन्हें जीवन को सार्थकता प्रदान करने वाला दिव्य पथ दिखाया। टॉमपकिन्स स्क्वायर पार्क में उनके भजन-कीर्तन की गूंज ने सैकड़ों को मंत्रमुग्ध किया, और "हरे कृष्णा" मंत्र ने पश्चिमी विश्व को झंकृत कर दिया। 1966 में स्थापित इस्कॉन आज एक वैश्विक भक्ति आंदोलन का प्रबल प्रतीक बन चुका है। स्वामी प्रभुपाद का योगदान इस्कॉन की स्थापना से कहीं अधिक विस्तृत और गहन है। उन्होंने भगवद्गीता, श्रीमद्भागवतम् और चैतन्य चरितामृत जैसे पवित्र ग्रंथों का अनुवाद और सरल, सुबोध व्याख्या कर गूढ़ वैदिक दर्शन को सर्वसाधारण के लिए सुलभ बनाया। उनकी कालजयी कृति "भगवद्गीता यथारूप" आज भी विश्वभर में असंख्य लोगों के लिए जीवन का प्रकाशस्तंभ बनी हुई है। इस ग्रंथ को पढ़कर यह अनुभव होता है कि प्रभुपाद ने जटिल श्लोकों को ऐसी सरलता और गहनता से प्रस्तुत किया कि वे न केवल आध्यात्मिक प्रेरणा का स्रोत हैं, बल्कि दैनंदिन जीवन में भी स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उनकी लेखनी में वह अलौकिक शक्ति निहित है, जो पाठक को भौतिकता के बंधनों से मुक्त कर आत्मिक चेतना की ओर प्रेरित करती है। उनकी पुस्तकें 80 से अधिक भाषाओं में अनूदित होकर करोड़ों प्रतियों में विश्वभर में वितरित हुई, जो उनके साहित्यिक योगदान की असीम व्यापकता और प्रभाव को दर्शाता है। स्वामी प्रभुपाद का दूरदर्शी दृष्टिकोण केवल धार्मिक प्रचार तक सीमित नहीं रहा; उन्होंने भक्ति को सामाजिक कल्याण और मानवता की सेवा का आधार बनाकर इसे एक सर्वसमावेशी स्वरूप प्रदान किया। उनकी प्रेरणा से प्रारंभ "फूड फॉर लाइफ" आज विश्व का सबसे विशाल शाकाहारी भोजन वितरण कार्यक्रम है, जो लाखों भूखे हृदयों को निःशुल्क प्रसाद का दान करता है।

दिल्ली और मायापुर में इस्कॉन के इस पुनीत कार्य को देखकर यह स्पष्ट होता है कि यहाँ भोजन केवल भोजन नहीं, अपितु भगवान का पवित्र प्रसाद है। प्रभुपाद का अमर कथन–"पहले भूख मिटाओ, फिर भक्ति सिखाओ"–उनके करुणामय और समग्र दर्शन को उजागर करता है। यह संदेश मुझे गहन रूप से प्रेरित करता है, क्योंकि यह सिखाता है कि सच्ची भक्ति केवल पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि मानवता की निःस्वार्थ सेवा में जीवंत हो उठती है। आज इस्कॉन के विश्वव्यापी हजारों मंदिर, आश्रम और केंद्र प्रभुपाद की अमर विरासत को मूर्त रूप प्रदान करते हैं। लंदन के सोहो स्ट्रीट मंदिर से लेकर वृंदावन के पवित्र श्रीकृष्ण-बलराम मंदिर तक, उनके द्वारा स्थापित आध्यात्मिक शक्ति का सशक्त संनाद हर कण में अनुभव होता है। वृंदावन में आरती के समय वह अलौकिक ऊर्जा हृदय को झंकृत करती है, जो सभी भक्तों को "हरे कृष्णा" मंत्र के दिव्य स्वर में एकीकृत कर देती है–न कोई भेद, न कोई दीवार, केवल अखंड एकता। यही प्रभुपाद की वह दूरदर्शी दृष्टि है, जो "वसुधैव कुटुम्बक" के आदर्श को साकार करती है। स्वामी प्रभुपाद का जीवन सिखाता है कि सच्ची सफलता भौतिक उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आत्मिक उत्थान और मानव कल्याण में निहित है। आज, जब विश्व मानसिक अशांति, तनाव और भौतिकता की दौड़ में डूबा है, उनकी शिक्षाएं पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि शांति और संतोष बाहरी सुखों में नहीं, बल्कि ईश्वर के साथ गहन आत्मिक जुड़ाव में है। उनकी जयंती केवल उनके जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उस आध्यात्मिक क्रांति का स्मरण है, जिसने लाखों जीवन को दिशा और अर्थ प्रदान किया। प्रभुपाद एक तेजस्वी प्रेरणा-स्रोत हैं। उनके अदम्य साहस, अटूट समर्पण और गहन भक्ति ने हमें सिखाया कि पवित्र उद्देश्य और दृढ़ निश्चय के समक्ष कोई रुकावट स्थिर नहीं रह सकती। उनकी जयंती पर उन्हें स्मरण करना केवल औपचारिकता नहीं, अपितु उस अमर विरासत को जीवंत रखने का संकल्प है, जो हमें परमात्मा से जोड़ती है और मानवता की सेवा का पथ प्रशस्त करती है। उनका संदेश "जीवन का उद्देश्य भगवान की भक्ति और सेवा है" हृदय में गूंजता है, प्रत्येक विपदा में अविचल रहने की प्रबल प्रेरणा प्रदान करता है।

प्रो. आरके जैन

सफलता एक दिन में नहीं, पर एक दिन जरूर आती है

निरंतर श्रम की दरकार।

जहां सफलता की संभावना एकदम कम तथा न्यून हो और सफलता मिल जाए तो भाग्य को श्रेय दिया जाता है वास्तव में जो सफलता के चरम पर होता है, वह खुद ही जानता है कि भाग्य जैसी कोई चीज नहीं होती हैद्य पर सफल व्यक्ति से जुड़े हुए लोग उसके साहस और श्रम को श्रेय देने के बजाय व्यक्ति के भाग्य पर जोर देने लगते हैंद्य इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, जो सफलता को कुछ निश्चित गुणों पर आधारित मानते हैं।असफल व्यक्ति ही भाग्य पर ज्यादा भरोसा करते हैं, असफल होने पर अपने भाग्य को कोसते हैंद्य वस्तुतः भाग्य नाम की कोई चिड़िया होती ही नहीं है। भाग्य साहस और मेहनत की परिणति है। जिसके भीतर साहस और श्रम करने की प्रवृत्ति होती है, वही व्यक्ति सफल होता है। भाग्य उसका सदैव साथ देता है। साहसी व्यक्ति मेहनत से नहीं डरता,चुनौतियां स्वीकार करता है,और निडर होकर हर चुनौती का डटकर मुकाबला करता है। साहसी व्यक्ति कांटों से भरे पथ पर चलने के लिए तत्पर रहता है, डर नामक चीज़ से वह परिचित नहीं होता है। और अपनी मेहनत और साहस के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त करता है, वही व्यक्ति भाग्यवान कहलाता है। मशहूर मुक्केबाज मोहम्मद अली उर्फ कैशियस क्ले ने एक महत्वपूर्ण मुक्केबाजी की स्पर्धा जीतकर कहा था," जो व्यक्ति जीवन में ज्यादा खतरे नहीं उठाता वह एक साधारण जिंदगी जीने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकता" मोहम्मद अली के इस कथन में कई सफलता के तत्व छुपे हुए हैं, यदि आपने अपनी जिंदगी में साहस नहीं दिखाया तो निश्चित तौर पर आप कुछ भी उल्लेखनीय नहीं कर सकते हैं, साहस एक ऐसा माननीय गुण है जो व्यक्ति की सफलता को दुगना कर देता है। साहस और श्रम ही जीवन का पर्याय है, और ऐसे व्यक्ति भीड़ में अलग दिखाई देते हैं। उन्हें ही समाज सफल व्यक्ति एवं भाग्यवान होने की श्रेणी में रखता है। साहसी व्यक्ति के मन में हिचक नहीं होती वह किसी भी निर्णय लेने में कभी किंकर्तव्यविमूढ़ नहीं होता, अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए वह अपने साहस और श्रम पर विश्वास रख आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहता है। नेपोलियन बोनापार्ट के अनुसार भाग्य केवल सक्रिय मस्तिष्क का साथ देता है, इसीलिए मनुष्य को अपना मस्तिक सदैव क्रियाशील व सक्रिय रखना चाहिए, वास्तव में हम जैसे विचार रखते हैं, हम जैसा सोचते हैं, हम वैसे ही बन जाते हैं, जिसने विचारों की ऊर्जा को पहचाना, उसका जीवन सकारात्मक तथा सफलता के कदम चूमता है। अपने लक्ष्य के बारे में सदैव विचार करते रहें एवं उपलब्ध संसाधनों का रोना रोने के बजाय यह सोचना आवश्यक होगा कि हम अपना सर्वोत्तम कैसे दे सकते हैं। ऐसे विचारों और साहस के बहुत बड़े उदाहरण मीराबाई चानू,बजरंग पूनिया और गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा हैं, जो देश के लिए बहुत बड़े उदाहरण हैं।

इसके अलावा अन्य भी जिन्होंने ओलंपिक 2020 जापान में देश के लिए खेल में चार और मेडल प्राप्त किया और देश का गौरव बढ़ाया। इन सब को बधाइयों के साथ शुभकामनाएं भी हैं, इनकी मेहनत लगन और साहस को देश के 135 करोड़ आवाम का अभिनंदन तथा वंदन है। थॉमस कूलर के अनुसार बुद्धिमान व्यक्ति अवसर को एक अच्छे भाग्य में बदल देता है। और वही व्यक्ति जो अवसर की तलाश में रहता है, उसे परिवर्तित कर अच्छे परिणाम देकर,अपने परिवार, समाज देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करवाता है। स्वयं को मिले अवसरों को सफलता में बदल डालिए, आपका हर पल बहुत कीमती है, उसे नष्ट ना करें, सफलता को अपनी आदत में शुमार कर लीजिए फिर देखिए दुनिया आपकी, संसार आपका, सफलता आपके द्वार पर होगी। क्या आपने कभी विचार किया की ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा और नीरज चोपड़ा की सफलता का राज क्या है, निसंदेह उनके मन में केवल मेहनत परिश्रम और साहस था, उनके दिमाग में डर नाम की कोई चीज नहीं थी। यही उनकी सफलता का बड़ा फलसफा है। प्राचीन यूनानी कवि वर्जिन में युवाओं को संबोधित करते लिखा था कि "भाग्य सदैव साहसी लोगों का साथ देता है",ऐसे लोगों का साथ न दीजिए, उनसे मित्रता न कीजिए जो हमेशा अपनी उपलब्ध सुविधा के नाम पर रोना रहता रोते हैं, और अपनी परिस्थितियों से लगातार शिकायत करते हैं, ऐसे लोग सदैव खोजते रहते हैं कि मैं किसी बड़े धनवान व्यक्ति के घर में क्यों पैदा नहीं हुआ, जहां अपार सुख सुविधाएं उपलब्ध है और मैं भी सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करता, पर वह यह नहीं जानता कि बड़े व्यक्ति के बड़े होने के पीछे कितनी मेहनत साहस और ऊर्जा अंतर्निहित है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है की लक्ष्मी निष्क्रिय और निठल्ले लोगों का साथ नहीं देती, एवं निष्क्रिय लोगों के पास नहीं जाती है।अब्राहम लिंकन ने भी कहा कि डर कमजोर दिमाग के निशानी है।,

मनुष्य को डर अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए, डर के परिणाम स्वरुप ही शंका पैदा होती है, और शंका व्यक्ति के मन में कमजोरी लाती है। डरा हुआ व्यक्ति हमेशा नकारात्मक विचारों वाला होता है और यही नकारात्मक विचार असफलता को जन्म देते हैं, गीता का भी ज्ञान है कि कर्म किए जा फल की इच्छा मत रख ए इंसान,आप स्वयं एक दिन कह उठेंगे भाग्य साहसी व्यक्ति का साथ देता है।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
मो.9455715061,8896344970

१.मेष- रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन भोजन का आनंद मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। मनोविनोद के अवसर मिलेंगे। भाई-बहनों से संबंध प्रगाढ़ होंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। रचनात्मक काम होंगे।

२.वृष- यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। जोखिम न लें। जल्दबाजी न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। उच्चाधिकारियों से सम्मान एवं महत्व प्राप्त हो सकेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। पूँजी निवेश लाभदायी रहेगा।

३.मिथुन- योजना फलीभूत होगी। कार्य की प्रशंसा होगी। आय में वृद्धि होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रमाद न करें। संतान, भाइयों से लाभ होगा। घरेलू उपयोग की वस्तुएँ क्रय करेंगे। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएँगे। व्यापारिक योजनाओं को गोपनीय बनाकर रखें।

४.कर्क- कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शुभ समय। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। पैतृक संपत्ति के क्षेत्रों में उन्नति होगी। नौकरी में संयत व्यवहार आवश्यक है।

५.सिंह- चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से बचें। थकान रहेगी। परिवार में आर्थिक समस्या को लेकर विचार-विमर्श होगा। दूसरों से अपमानजनक व्यवहार न करें। कार्यक्षेत्र में इच्छित सफलता व संतोष रहेगा।

६.कन्या- राजकीय मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। सामान्य प्रतिष्ठा, सम्मान से उत्साहित रहेंगे। खर्चों में कमी का प्रयास करना होगा। व्यापार-व्यवसाय में विवेक से निर्णय लेने पर आशानुकूल लाभ के योग हैं।

७.तुला- संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। संतान संबंधी चिंता कम होगी। स्वाभाविक सोच में बदलाव आएगा। रुका पैसा प्रयास करने पर प्राप्त होने के योग हैं। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

७.वृश्चिक- आकस्मिक खर्च अधिक होगा। तनाव रहेगा। थकान रहेगी। जोखिम न लें। धैर्य रखें। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। संघर्ष, भागदौड़ के बाद रोजगार में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं। परिवार, समाज में आपके कार्यों को महत्व दिया जाएगा।

९.धनु- व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बुरी खबर मिल सकती है। चिंता रहेगी। मानसिक शांति रहेगी। व्यापारिक विवादों का आसान हल निकाल सकेंगे। वाणी पर संयम रखना चाहिए। अधीनस्थों से मदद मिलेगी।

१०.मकर- मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। प्रमाद न करें। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी। अपनी योजनाओं में परिवर्तन करना होगा। प्रतिस्पर्धा, शत्रुता से परेशानी संभव है। अनसोचे कामों में हाथ नहीं डालें।

११.कुंभ- मेहमानों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। नियमित कर्ज, लेनदेन में कटौती करना होगी। योजनाओं पर चर्चा, कार्य के प्रति लगन रह पाएगी। नौकरी, राज्यपक्ष में स्थायित्व की बात आएगी।

१२.मीन- यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम न लें। बड़े व्यक्तियों से भेंट का लाभ मिलेगा। कानूनी कार्यों में समय सीमा का ध्यान रखें। व्यवहारकुशलता का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक श्रेष्ठता रहेगी।

संपादकीय

इतनी प्राकृतिक आपदाएं क्यूं

माता वैष्णो देवी की पावन यात्रा को लेकर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है। हर साल लाखों यात्री कटरा से भवन तक पहुँचने के लिए कठिन रास्तों को पार करते हैं। यह केवल धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और विश्वास का प्रतीक है। ऐसे में जब हाल ही में इस मार्ग पर भूस्खलन हुआ और 41 श्रद्धालु उसकी चपेट में आकर अपनी जान गंवा बैठे, तो पूरा देश स्तब्ध रह गया। यह केवल एक दुःखद दुर्घटना नहीं बल्कि एक गंभीर संकेत भी है कि प्राकृतिक आपदाएँ लगातार हमारी ज़िंदगी को घेरे हुए हैं और हम उनसे सबक लेने के बजाय बार-बार वही गलतियाँ दोहरा रहे हैं। प्राकृतिक आपदाएँ जीवन का हिस्सा रही हैं, लेकिन उनका बढ़ता प्रकोप और विनाशकारी रूप यह दर्शाता है कि प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते में गहरी दरार पड़ चुकी है। पहाड़ों पर लगातार सड़कें चौड़ी की जा रही हैं, होटल और बाजार बनाए जा रहे हैं, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट खड़े किए जा रहे हैं। ये सब विकास के नाम पर हो रहा है, परंतु वास्तव में यह अंधाधुंध विकास है जिसने पहाड़ों की मजबूती को कमजोर कर दिया है। जिस भूमि पर कभी जंगल हुआ करते थे, वहाँ अब कंक्रीट के ढाँचे खड़े हैं। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को बाँधकर रखती थीं, लेकिन अब नंगी पहाड़ियों पर बारिश का पानी सीधे चट्टानों और मिट्टी को बहा ले जाता है और परिणामस्वरूप भूस्खलन जैसी घटनाएँ आम हो गई हैं। माता वैष्णो देवी मार्ग की घटना भी इसी कड़ी का हिस्सा है। भारी बारिश के बाद जब मिट्टी और चट्टानें खिसकीं, तो श्रद्धालु अचानक मलबे की चपेट में आ गए। यह प्रश्न उठाना लाज़मी है कि मौसम विभाग की चेतावनी के बावजूद यात्रा को पूरी तरह क्यों नहीं रोका गया। क्या प्रशासन को यह अंदाज़ा नहीं था कि अत्यधिक बारिश के बीच इस तरह का हादसा हो सकता है? क्या श्रद्धालुओं की सुरक्षा से बड़ी कोई और प्राथमिकता हो सकती है? यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि हमारी लापरवाही और संवेदनहीनता का भी नतीजा है। सच्चाई यह है कि हम जिस तरह से प्रकृति से व्यवहार कर रहे हैं, उसके परिणाम हमें बार-बार भुगतने पड़ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन ने इन आपदाओं की तीव्रता को और बढ़ा दिया है। अब बारिश का पैटर्न बदल गया है। पहले महीनों तक फैली हुई हल्की-हल्की बारिश होती थी, जिससे जलस्रोत भर जाते थे और ज़मीन पानी सोख लेती थी। अब थोड़े ही समय में इतनी तेज़ बारिश होती है कि नदियाँ उफान पर आ जाती हैं, सड़कों और गाँवों में पानी भर जाता है, पहाड़ टूटने लगते हैं और जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। यह असामान्य वर्षा केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का असर देखा जा रहा है। समस्या यह भी है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का दोहन तो तेज़ी से करते हैं, परंतु उन्हें पुनर्जीवित करने का प्रयास नहीं करते। जंगल काटे जाते हैं लेकिन उतनी तेजी से वृक्षारोपण नहीं होता। नदियों के किनारे बसे शहरों में सीमेंट-कंक्रीट के ढाँचे खड़े कर दिए जाते हैं और प्राकृतिक जलनिकासी मार्गों को पाट दिया जाता है। नालों और तालाबों पर कब्ज़ा कर लिया जाता है, जिससे थोड़ी-सी बारिश भी शहरों को डुबोने के लिए काफी हो जाती है। यह विडंबना केवल मैदानी इलाकों में नहीं, बल्कि पहाड़ों में भी साफ दिखाई देती है। सबसे बड़ा दुख यह है कि जब भी कोई आपदा आती है, हम उसे "प्रकृति का प्रकोप" कहकर अपने कर्तव्यों से मुक्त हो जाते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इन आपदाओं में हमारी भूमिका कहीं अधिक है। अगर हमने जंगलों को बचाया होता, नदियों और पहाड़ों के साथ छेड़छाड़ न की होती, शहरीकरण को योजनाबद्ध तरीके से किया होता, तो शायद आपदाएँ इतनी भयावह रूप में सामने न आतीं। यह मानना गलत नहीं होगा कि आपदा केवल प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक विफलता भी है। माता वैष्णो देवी मार्ग की घटना हमें एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि हमारी विकास नीतियाँ किस दिशा में जा रही हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए क्या पर्याप्त इंतज़ाम किए गए थे? क्या हज़ारों लोगों को एक साथ यात्रा की अनुमति देना उचित था, जबकि मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी दी थी? क्या पर्यावरणीय आकलन किए बिना बड़े निर्माण कार्य करना किसी धार्मिक स्थल के लिए सचमुच ज़रूरी है? ये प्रश्न प्रशासन और समाज दोनों के लिए महत्वपूर्ण हैं। समाधान कठिन नहीं है, लेकिन इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक जागरूकता आवश्यक है। हमें अपनी विकास योजनाओं में पर्यावरणीय संतुलन को सबसे आगे रखना होगा। पहाड़ों और नदियों को केवल संसाधन मानकर उनका शोषण करना बंद करना होगा। वनों की कटाई पर सख्त नियंत्रण और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना होगा। पर्यटन और तीर्थाटन को टिकाऊ स्वरूप देना होगा, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित रहें और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे। सबसे महत्वपूर्ण यह कि आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली को मज़बूत बनाना होगा और प्रशासन को उसकी पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी। चेतावनी को केवल कागज़ पर जारी करना पर्याप्त नहीं है, उसे लागू करना और लोगों तक पहुँचाना ही असली चुनौती है। जनता की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति से छेड़छाड़ का खामियाजा हमें ही भुगतना पड़ता है। अगर हम पर्यावरण को नज़रअंदाज़ करेंगे तो आपदाएँ और विकराल होती जाएँगी। श्रद्धा के नाम पर जोखिम उठाना उचित नहीं है। श्रद्धा तभी सार्थक है जब जीवन सुरक्षित हो। यात्रियों को भी सावधानी और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। अंततः यह मान लेना चाहिए कि प्राकृतिक आपदाएँ पूरी तरह टाली नहीं जा सकतीं, लेकिन उनके प्रभाव को अवश्य कम किया जा सकता है। इसके लिए प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाना आवश्यक है। माता वैष्णो देवी मार्ग पर हुई दुर्घटना हम सबके लिए चेतावनी है कि अगर हमने अब भी नहीं सीखा तो आने वाले वर्षों में ऐसी त्रासदियाँ और भी अधिक बढ़ेंगी। यह केवल श्रद्धालुओं की सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि पूरे समाज के भविष्य का प्रश्न है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने विकास और जीवनशैली पर पुनर्विचार करें। प्रकृति को दुश्मन नहीं, सहयोगी समझें। तभी हम अपने बच्चों के लिए एक सुरक्षित भविष्य बना पाएँगे। माता वैष्णो देवी की यात्रा की यह त्रासदी हमें यही संदेश देती है कि आस्था और विज्ञान दोनों का संतुलन ज़रूरी है। प्रकृति को नज़रअंदाज़ करके कोई भी प्रगति स्थायी नहीं हो सकती।

महेन्द्र तिवारी

IMF में भारत की भूमिका अब निर्णायक और सशक्त

भारतीय अर्थव्यवस्था की पहचान अब केवल घरेलू सीमाओं तक ही सीमित नहीं रही। जब डॉ. उर्जित पटेल, जिन्होंने भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर के रूप में अपनी दूरदर्शिता और वित्तीय स्थिरता के लिए ख्याति अर्जित की, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत का कार्यकारी निदेशक बनने के लिए नियुक्त हुए, तब यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं थी, बल्कि भारत की वैश्विक आर्थिक पहचान को एक नई दिशा देने वाला क्षण था। उनके कार्यकाल के दौरान मुद्रास्फीति-लक्ष्यीकरण और वित्तीय नीतियों की स्पष्ट दिशा ने उन्हें उस योग्य स्थान तक पहुँचाया, जहाँ वे न केवल भारत की आर्थिक नीतियों का प्रतिनिधित्व करेंगे, बल्कि वैश्विक वित्तीय स्थिरता और विकासशील देशों के हितों को भी सुनिश्चित करने में योगदान देंगे। डॉ. पटेल का जन्म 28 अक्टूबर 1963 को नैरोबी, केन्या में हुआ था। उनके प्रारंभिक वर्ष और शिक्षा ने उन्हें वैश्विक दृष्टिकोण और स्थानीय जरूरतों की समझ प्रदान की। उन्होंने लंदन आर्थिक विद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और इसके बाद ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और येल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में उच्च शिक्षा प्राप्त की। इन अनुभवों ने उन्हें न केवल अंतरराष्ट्रीय वित्त की समझ दी, बल्कि भारत के आर्थिक ढांचे और नीतिगत आवश्यकताओं के लिए आवश्यक दृष्टि भी प्रदान की। उनकी यात्रा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में एक अर्थशास्त्री के रूप में शुरू हुई, जहाँ उन्होंने वैश्विक आर्थिक प्रणालियों को गहराई से समझा। इस अनुभव ने उन्हें बाद में भारतीय रिज़र्व बैंक में उप-गवर्नर और फिर गवर्नर के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया। उनके कार्यकाल में भारतीय मौद्रिक नीति ने स्थिरता के साथ विकसित होना सीखा। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि आर्थिक नीतियाँ केवल सांख्यिकीय आंकड़ों या अल्पकालिक लक्ष्यों पर आधारित न हों, बल्कि वे दीर्घकालिक विकास और वित्तीय स्थिरता के लिए उपयुक्त हों। डॉ. पटेल ने भारतीय रिज़र्व बैंक में रहते हुए कई महत्वपूर्ण सुधारों को लागू किया। उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र में नवाचार और वित्तीय प्रणाली की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कदम उठाए। उनका दृष्टिकोण यह था कि आर्थिक नीतियाँ केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं, बल्कि देश के वास्तविक सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए बनाई जानी चाहिए। उनके प्रयासों से भारतीय अर्थव्यवस्था ने स्थिरता और विश्वसनीयता दोनों प्राप्त की।अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में डॉ. पटेल का कार्यभार केवल प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है। यह भूमिका उन्हें वैश्विक आर्थिक नीतियों पर चर्चा करने, विकासशील देशों की आवश्यकताओं को समझने और वित्तीय स्थिरता के लिए रणनीतियाँ विकसित करने का अवसर प्रदान करती है। उनके माध्यम से भारत का दृष्टिकोण वैश्विक मंच पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत होगा, और इसके परिणामस्वरूप भारत की आर्थिक नीतियाँ अंतरराष्ट्रीय निर्णयों में अपनी छाप छोड़ सकेंगी। डॉ. पटेल की नियुक्ति का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह भारत के लिए वैश्विक आर्थिक मंच पर सक्रिय भागीदारी की दिशा में एक निर्णायक कदम है। अब केवल आर्थिक वृद्धि या घरेलू नीतियों के संतुलन तक ही सीमित नहीं रहा। भारत के दृष्टिकोण, उसकी विकास योजनाएँ और उसकी आर्थिक स्थिरता का संदेश अब वैश्विक वित्तीय मंच पर पहुँचाया जाएगा। यह नियुक्ति विकासशील देशों के हितों और वैश्विक वित्तीय स्थिरता के संतुलन को बनाए रखने में भारत की भागीदारी को स्पष्ट करती है।

डॉ. पटेल की विशेषज्ञता और अनुभव वैश्विक वित्तीय स्थिरता में योगदान देने के साथ-साथ भारत की भूमिका को भी सशक्त करेंगे। उनके नेतृत्व में, भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में अपनी नीतियों को न केवल प्रस्तुत करेगा, बल्कि वैश्विक आर्थिक निर्णयों में सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। यह भूमिका भारत की अर्थव्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से मजबूती प्रदान करेगी और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को वैश्विक मंच पर उचित मान्यता दिलाने में मदद करेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह समय नए अवसरों और चुनौतियों का है। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है, जहाँ तकनीकी नवाचार, वैश्विक व्यापार नीति, और वित्तीय प्रवाह के नए मानदंड तय हो रहे हैं। ऐसे समय में जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितताओं और वित्तीय असंतुलन के दौर से गुजर रही है, डॉ. पटेल की भूमिका भारत के लिए न केवल गौरव की बात है, बल्कि यह नीति निर्माण और आर्थिक स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल भी है। उनके अनुभव और दूरदर्शिता से भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में अपनी भूमिका को और सशक्त बना सकता है, जिससे वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत की स्थिति और मजबूत होगी।

डॉ. पटेल की नियुक्ति यह संकेत भी देती है कि भारतीय विशेषज्ञता और रणनीतिक सोच अंतरराष्ट्रीय मंच पर मान्यता प्राप्त कर रही है। यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का विषय नहीं है, बल्कि भारत के आर्थिक और वित्तीय ढांचे की क्षमता और उसकी वैश्विक समझ को दर्शाने वाला महत्वपूर्ण क्षण है। उनके नेतृत्व में, भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के निर्णयों में केवल एक सदस्य नहीं रहेगा, बल्कि वह वैश्विक आर्थिक नीति निर्माण में सक्रिय और प्रभावशाली योगदानकर्ता के रूप में अपनी जगह बनाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत के कार्यकारी निदेशक के रूप में डॉ. पटेल की जिम्मेदारी केवल प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं रहेगी। यह जिम्मेदारी भारत की नीतियों को वैश्विक मंच पर स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने, विकासशील देशों के दृष्टिकोण को समझने और वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए रणनीतियों का निर्माण करने की भी होगी। उनके अनुभव से यह सुनिश्चित होगा कि भारत की आवाज़ केवल सुनी जाए, बल्कि वैश्विक आर्थिक निर्णयों में उसे उचित महत्व मिले। डॉ. पटेल की नियुक्ति का एक और महत्वपूर्ण आयाम यह है कि यह वैश्विक मंच पर भारत की छवि को और सशक्त करती है। यह दिखाता है कि भारत अब न केवल आर्थिक दृष्टि से मजबूत है, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सक्रिय और निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उनके नेतृत्व में भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में अपनी नीति, दृष्टिकोण और आर्थिक योजना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करेगा, जिससे वैश्विक वित्तीय निर्णयों में भारत की भागीदारी और प्रभाव बढ़ेगा। इस नियुक्ति से यह भी स्पष्ट होता है कि भारत वैश्विक आर्थिक स्थिरता और विकासशील देशों के हितों के प्रति गंभीर है। डॉ. पटेल के नेतृत्व में, भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में न केवल अपनी आर्थिक नीति का प्रतिनिधित्व करेगा, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन और स्थिरता में योगदान देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह भारत की वैश्विक आर्थिक नीति में एक नई दिशा को दर्शाता है, जो विकासशील देशों की आवश्यकताओं और वैश्विक वित्तीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है।

डॉ. पटेल की यह यात्रा केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति और उसकी नीति निर्माण क्षमता की भी मिसाल है। उनके अनुभव, विशेषज्ञता और दूरदर्शिता से यह सुनिश्चित होगा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाए और वैश्विक आर्थिक निर्णयों में अपना स्थान सशक्त बनाए। यह नियुक्ति भारत की आर्थिक स्थिरता, वैश्विक पहचान और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को वैश्विक मंच पर उचित महत्व देने का प्रतीक है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह समय नई चुनौतियों और अवसरों का है। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है, और ऐसे समय में डॉ. पटेल की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में नियुक्ति भारत के लिए नई उम्मीदों और संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करती है। उनके नेतृत्व में भारत अपनी नीति और दृष्टिकोण को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करेगा, जिससे वैश्विक आर्थिक निर्णयों में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण और प्रभावशाली होगी। इस प्रकार, डॉ. उर्जित पटेल की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में नियुक्ति न केवल उनके व्यक्तिगत करियर का शिखर है, बल्कि यह भारत की वैश्विक आर्थिक पहचान, उसकी नीति निर्माण क्षमता और विकासशील देशों के हितों की वैश्विक मंच पर सुरक्षा का प्रतीक भी है। उनके अनुभव और दूरदर्शिता से भारत अपनी भूमिका को और सशक्त बनाएगा, और वैश्विक आर्थिक स्थिरता में सक्रिय योगदान देगा। यह नियुक्ति भारत की वैश्विक आर्थिक नीति में एक नया अध्याय खोलती है, जो भविष्य में विकासशील देशों की आवश्यकताओं और वैश्विक वित्तीय स्थिरता को संतुलित करने में मार्गदर्शन करेगी।

हंसराज चौरसिया

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

श्रेया अवस्थी ने सोलो डांस परफॉर्मेंस में तृतीय स्थान

प्राप्त कर विद्यालय का नाम किया रोशन

बिसवां/सीतापुर कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर इण्टर कालेज बिसवा-सीतापुर से जिला स्तरीय कला उत्सव में विद्यालय की छात्रा श्रेया अवस्थी कक्षा 9 ने सोलो डांस परफॉर्मेंस में तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले में फिर एक बार विद्यालय का नाम रोशन किया । कार्यक्रम में राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु जिला विद्यालय निरीक्षक एवं तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे , छात्र को हिंदू कन्या पाठशाला की प्रधानाचार्य श्रीमती गीता शुक्ला जी ने पुरस्कृत किया द्य विद्यालय प्रबन्ध श्री सुरेन्द्र पाल सिंह, प्रबन्धसमिति के समस्त पदाधिकारी ने श्रेया अवस्थी को अग्रमी जीवन में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शित साथ ही विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती अल्पना अवस्थी जी ने विद्यालय छात्र श्रेया अवस्थी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और ऐसे ही भविष्य में भी आगे बढ़ते रहने की शुभकामनायें दी।

खण्ड विकास अधिकारी ने किया नैमिषारण्य के काशी कुंड का निरीक्षण, साफ-सफाई के दिये निर्देश

मिश्रिख (सीतापुर) सितंबर के प्रथम सप्ताह में शुरू हो रहे पितृपक्ष को ध्यान में रखकर नैमिषारण्य के काशी कुंड में भरे गंदे पानी और गंदगी को संज्ञान में लेते हुए खंड विकास अधिकारी मिश्रिख सुनील कुमार कौशल द्वारा काशी कुंड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक विकास अधिकारी पंचायत साथ में उपस्थित रहे। गंदे पानी की निकासी, आस-पास की साफ-सफाई, हैंड पंप की चौकी का निर्माण कराए जाने हेतु ग्राम पंचायत प्रधान एवं संबंधित सचिव को निर्देशित किया गया है। सहायक विकास अधिकारी पंचायत को पूरे पितृ पक्ष के दौरान नैमिषारण्य में साफ-सफाई व्यवस्था को नियमित अनुश्रवण के निर्देश दिए हैं। खंड विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि सोमवार को टीम लगाकर वृहद सफाई अभियान चलाया जाएगा। पितृपक्ष के पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु ग्राम पंचायत और प्रबंधन समिति से समन्वय स्थापित किया जा रहा है।शीघ्र ही साफ-सफाई करा दी जाएंगी।

कांग्रेसियों ने क्षेत्राधिकारी को दिया शिकायती पत्र कार्रवाई करने की मांग की

महराजगंज रायबरेली क्षेत्र एक युवक द्वारा सोशल मीडिया के फेसबुक प्लेटफार्म से लाइव होकर नेता प्रतिपक्ष लोकसभा व रायबरेली के सांसद राहुल गांधी और उनके परिवार के खिलाफ अभद्र टिप्पणी के मामले में कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष सच्चिदानंद त्रिपाठी व अन्य कार्यकर्ताओं ने क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार को लिखित शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

क्षेत्र के गांव हसनपुर निवासी मनीष दीक्षित पुत्र नन्द कुमार दीक्षित द्वारा शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे फेसबुक लाइव के दौरान राहुल गांधी के साथ सोनिया गांधी, स्व. इंदिरा गांधी और स्व. राजीव गांधी के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां किए जाने से कांग्रेसियों में आक्रोश है। नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सच्चिदानंद त्रिपाठी के नेतृत्व मे क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार को शिकायती पत्र सौंपकर आरोपी युवक के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस दौरान महराजगंज कस्बे के नगर अध्यक्ष अंकुर जायसवाल, प्रिंसू वैश्य, हौसला प्रसाद तिवारी, गया प्रसाद चौरसिया, रामचंद्र सिंह, भगवानदीन फौजी समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निगोहां पुलिस की त्वरित कार्रवाई से साइबर फ्रॉड पीड़ित को 15 लाख की राहत

● .....18 लाख रुपये की ठगी में साइबर हेल्प डेस्क की मेहनत लाई रंग, पुलिस की तत्परता बनी जनपद में मिशाल।

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ, साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच निगोहां पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए साइबर फ्रॉड पीड़ित को भारी राहत दिलाई है। थाना क्षेत्र के ग्राम मस्तीपुर निवासी अनिल द्विवेदी पुत्र स्व. प्रताप नारायण द्विवेदी साइबर ठगी का शिकार हो गए थे। उनके बैंक खाते से अचानक 18 लाख रुपये की बड़ी रकम कट गई थी। घटना से आहत होकर पीड़ित ने हिम्मत जुटाकर थाना निगोहां पहुंचकर लिखित तहरीर दी। थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी के नेतृत्व में कार्यरत साइबर हेल्प डेस्क टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराया और विधिक प्रक्रिया व तकनीकी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस की त्वरित पहल का नतीजा यह रहा कि महज कुछ दिनों के भीतर पीड़ित के खाते में 15 लाख रुपये की रिकवरी हो गई।

इस उल्लेखनीय सफलता पर एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने निगोहां पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्रवाई जनपद के लिए एक आदर्श उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक तुरंत पुलिस को सूचना देकर सहयोग करें तो उनकी गाढ़ी कमाई को बचाया जा सकता है। थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी की कार्यशैली की क्षेत्रीय लोग जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। उनकी देखरेख में गठित साइबर हेल्प डेस्क टीम लगातार सक्रिय रहते हुए लोगों को न केवल जागरूक कर रही है बल्कि धोखाधड़ी की शिकायतों पर तत्काल एक्शन लेकर पीड़ितों को राहत भी दिला रही है। यही कारण है कि स्थानीय लोग उन्हें एक सक्रिय, संवेदनशील और जनहितैषी अधिकारी मानते हैं।

साइबर फ्रॉड से पीड़ित अनिल द्विवेदी ने राहत मिलने के बाद पुलिस के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि जब खाते से 18 लाख रुपये कटे तो उन्हें लगा कि जीवन भर की कमाई चली गई और अब शायद कभी वापस न मिले। लेकिन जैसे ही उन्होंने थाना निगोहां से संपर्क किया, थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी और उनकी टीम ने जिस तत्परता और ईमानदारी से काम किया उसने नया विश्वास जगाया। पुलिस की सक्रियता और संवेदनशीलता के चलते 15 लाख रुपये खाते में वापस आ गए। उन्होंने एसीपी रजनीश वर्मा और निगोहां पुलिस का हृदय से धन्यवाद किया और कहा कि यदि पुलिस इसी तरह तत्पर रहे तो जनता कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करेगी। पुलिस ने इस अवसर पर आम नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया या फोन कॉल पर अपनी गोपनीय जानकारी जैसे बैंक खाता संख्या, एटीएम, ओटीपी आदि साझा न करें। यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है तो बिना देर किए तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं ताकि समय रहते आपके पैसों की रिकवरी की जा सके।

डायट खैराबाद में सम्पन्न हुआ सुरक्षा एवं संरक्षा प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर, 30 अगस्त 2025 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) खैराबाद, सीतापुर के सभागार में प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक के मार्गदर्शन में उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के शिक्षकों हेतु तीन दिवसीय सुरक्षा एवं संरक्षा प्रशिक्षण दो बैचों में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

प्रथम बैच का प्रशिक्षण दिनांक 25 से 27 अगस्त 2025 तक एवं द्वितीय बैच का प्रशिक्षण 28 से 30 अगस्त 2025 तक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में एस.सी.ई.आर.टी. लखनऊ द्वारा निर्मित मॉड्यूल 'कवच' के अंतर्गत सुरक्षा एवं संरक्षा के विभिन्न पहलुओं जैसे–स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सड़क सुरक्षा एवं यातायात, आपदा प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन, बाल श्रम एवं बाल तस्करी के कारण व बचाव, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल लेनदेन की जानकारी–पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रशिक्षण में शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों एवं परिचर्चाओं के माध्यम से सक्रिय सहभागिता निभाई। जनपद के सभी विकास खंडों से नामित शिक्षक इसमें शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अमित वर्मा ने अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इस अवसर पर संस्थान के सभी प्रवक्ता भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

वन ब्लॉक वन क्राप योजना के तहत किसानों को दिया औषधीय खेती का मंत्र

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के गोविंदपुर वलौली स्थित किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) कार्यालय परिसर में शनिवार को उद्यान विभाग की ओर से जागरूकता बैठक आयोजित की गई। जिसमें किसानों को शासन की ओर से चलाई जा रही वन ब्लॉक वन क्राप योजना की जानकारी दी गई। बैठक में जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा ने किसानों को औषधीय खेती और उद्यान से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाजार में औषधीय फसलों की भारी मांग है। यदि किसान पारंपरिक खेती के साथ साथ औषधीय खेती भी अपनाएं तो उन्हें अतिरिक्त आय का स्रोत मिल सकता है। उन्होंने किसानों को बताया कि शासन की ओर से खेतों की तारबंदी, सिंचाई उपकरणों और पौधारोपण के लिए अनुदान दिया जा रहा है। आम, अमरूद और केले की बागवानी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। विशेषकर केले की खेती पर किसानों को पहले साल 40 प्रतिशत और दूसरे साल 19 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है। उद्यान निरीक्षक आशीष सिंह ने किसानों से कहा कि वे योजनाओं की जानकारी लेकर उनका लाभ उठाएं। किसान खेती में नई तकनीकों को अपनाकर अपनी आमदनी को बढ़ाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि औषधीय खेती न सिर्फ आय के नए अवसर खोलती है, बल्कि इससे किसान बाजार से सीधे जुड़कर ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं। इस दौरान किसानों ने भी अपनी जिज्ञासा व्यक्त की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं के लाभ लेने की प्रक्रिया समझा। इस मौके पर एफपीओ निदेशक महीप कुमार त्रिवेदी, आयुष पांडेय, आभा, केसरी बाजपेई, रविशंकर मिश्रा, संजय कुमार, गीता सिंह, हरिओम, सुशीला, जेपी सिंह सहित कई किसान मौजूद रहे।

पीस कमेटी की बैठक आयोजित, त्योहारों को लेकर प्रशासन सतर्क

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली कोतवाली परिसर में आज पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी त्योहार गणेश चतुर्थी और बारावफात को लेकर साम्प्रदायिक सौहार्द और शांति बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए उप जिलाधिकारी गौतम सिंह ने कहा कि क्षेत्र में पर्वों को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाए। यदि किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है, तो वहीं उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी या कोतवाली प्रभारी के सीयूजी नंबर पर संपर्क कर सकता है। प्रशासन द्वारा तत्परता से समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि वह शांति और सद्भाव बनाए रखें तथा किसी भी अफवाह या असामाजिक गतिविधियों से बचें।

वही पीस कमेटी की बैठक में मौजूद क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों व समाज के सम्मानित नागरिकों से कुशल क्षेम पूछा व उनकी समस्याओं को जाना तथा हर समस्या का निस्तारण करने की बात कही और यह भी कहा कि आप सभी हिंदू मुस्लिम भाई बारावफात का त्योहार व हिंदुओं का प्रतीक गणेश चतुर्थी जैसे पावन पर्व को मिलजुल कर मनाएं। तो वही कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने आए हुए जनप्रतिनिधियों व उपस्थित नागरिकों से कुशलक्षेम पूछा एवं उनका आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एस एस आई देवेन्द्र सिंह भदौरिया, चौकी इंचार्ज थुलवांसा राहुल मिश्रा, एस आई त्रियुगीनारायण तिवारी,एस आई दिनेश गोस्वामी, एस आई रोहित कुमार, एस आई सदाकुल सरोज, अजय चौधरी, हिमांशु सहित जनप्रतिनिधि एवं आम जनमानस मौजूद रहा।

एसडीएम के हाथों पुरस्कृत होकर खिल उठे मेधावियों के चेहरे

स्वतंत्र प्रभात

सरोजनी नगर। सरोजनी नगर के शान्ति नगर स्थित क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज में मेधावियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप पहुंचे उपजिलाधिकारी सरोजनी नगर अंकित शुक्ला ने कॉलेज के सभी मेधावियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।उन्होंने मेधावी छात्र छात्राओं छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप अपने बेहतर भविष्य के निर्माण कर देश विकास में सहयोग कर सकते है। इसलिए छात्र छात्राओं को अपना लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें यदि अपने चुने हुए मार्ग को समर्पण, अनुशासन और पूरे दिल से करेंगे, तो निश्चित ही लक्ष्य में सफलता जरूर मिलेगी।स्कूल के चेयर मैन ई.योगेंद्र सचान ने मेधावियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अपने गहन और सफल करियर बनाने के समय अर्जित ज्ञान, कौशल और योग्यता का पूरा उपयोग करना आवश्यक है। विपरीत परिस्थितियों में भी छात्रों को कभी निराश नहीं होना चाहिए। कालेज की प्रबंध निर्देशिका ऋषिका सचान ने बच्चों के परीक्षा परिणाम में अच्छे प्रदर्शन पर शाबाशी दी।साथ ही उन्होंने कहा कि बच्चे सफलता के लिए शॉर्टकट के बजाय कठिन मेहनत कर उचित मार्गदर्शन के साथ हर परीक्षा में शिक्षार्थी अपना अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा विभिन्न थीमों को लेकर जागरुक किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक गण और अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

पकौड़े की दूकान में गर्म तेल से झुलसा बालक, गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर

दुर्घटना/हादसा

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के उगाभाद गांव में शनिवार को पकौड़े की दुकान में गर्म कड़ाही का तेल एक बालक के ऊपर गिर गया। जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गया। उसे फौरन इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गांव निवासी अनूप कुमार का बेटा आदर्श (8) अपने परिजन के साथ गांव के चौराहे पर गया था। जहां दुकान में गरमा गरम पकौड़े तले जा रहे थे। अचानक धक्का लगने से कढ़ाही का गर्म तेल उसके ऊपर जा गिरा। जिससे वह पूरी तरह से झुलस गया। घरवाले भाग कर उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

ओप्पो इंडिया व उम्मीद संस्था की पहल से यूपी के 44 स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम की हुई पहल

स्वतंत्र प्रभात

नगराम। लखनऊ। शिक्षा को डिजिटल रूप देने के लिए ओप्पो इंडिया, उम्मीद संस्था और उत्तर प्रदेश सरकार की साझेदारी से राज्य के 44 प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम शुरू किए जाएंगे। इसकी शुरुआत शनिवार को नगराम के भजाखेड़ा प्राथमिक विद्यालय से हुई, जहां कृषि उत्पादन आयुक्त/अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार और मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने पहला स्मार्ट क्लासरूम उद्घाटन किया।इस योजना से मार्च 2026 तक लगभग 5,000 बच्चे लाभान्वित होंगे और 80 से अधिक शिक्षकों को डिजिटल प्रशिक्षण मिलेगा। उद्घाटन समारोह में बच्चों ने कविता वाचन और स्माइल बैंड की प्रस्तुति दी, साथ ही दहेज प्रथा व बाल विवाह पर संदेश दिए।

कार्यक्रम में 10 मेधावी बच्चों को स्कूल बैग, 5 आंगनबाड़ी केंद्रों को किट वितरित की गई। ओप्पो इंडिया निदेशक राकेश भारद्वाज, विधायक अमरेश रावत, डीएम विशाख अय्यर समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।दीपक कुमार ने कहा,निपुण भारत मिशन में स्मार्ट क्लास का बड़ा योगदान है, इसी कारण यूपी बच्चों की लर्निंग में देश में नंबर वन है।राकेश भारद्वाज ओप्पो इंडिया ने कहा,तकनीक अगली पीढ़ी की शिक्षा का सबसे सशक्त माध्यम है।

निगोहां थाने में आयोजित हुआ विशेष साइबर जागरूकता अभियान

● .....एडीसीपी ने दिए ठगी से बचाव के सुझाव

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ, साइबर अपराधों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करने हेतु शनिवार को दक्षिणी जोन पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की ओर से निगोहां थाने में विशेष साइबर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडीसीपी रल्लापल्ली वसन्थ कुमार ने की, जबकि एसीपी रजनीश वर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की व्यवस्थाएं थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने संभालीं।अभियान में निगोहां थाना क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधान, प्रतिनिधि, समाजसेवी, शिक्षक व संभ्रांत नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। मंडल अध्यक्ष ललित सिंह भी इस अवसर पर मौजूद रहे।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अधिकारियों ने ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराधों से बचने के लिए दर्जनभर से अधिक जरूरी सुझाव दिए। इनमें प्रमुख थे किसी भी कॉल पर ओटीपी या बैंक विवरण साझा न करें।अजनबियों के वीडियो कॉल स्वीकार न करें।बिना सत्यापन के कोई भी मोबाइल ऐप डाउनलोड न करें।निवेश से संबंधित फर्जी ऑफरों से बचें।अगर कोई खुद को पुलिस, सीबीआई या सरकारी अधिकारी बताकर ऑनलाइन गिरफ्तारी की धमकी दे, तो तुरंत 1930 या 112 नंबर पर सूचना दें।

एसीपी रजनीश वर्मा ने युवाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि बैंक खाता किराए पर देने, अवैध सट्टेबाजी ऐप्स इस्तेमाल करने और संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर बुजुर्गों और निरक्षर लोगों को भी साइबर सुरक्षा की जानकारी पहुंचाने की अपील की गई। इस दौरान लोगों के बीच पम्पलेट भी बांटे गए।एसीपी रजनीश वर्मा ने कहा कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर ठगी कर रहे हैं, ऐसे में जागरूक और सतर्क रहना ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने दुकानदारों और व्यापारियों से कहा कि अपनी दुकानों में लगे क्यूआर कोड/स्कैनर पर विशेष नजर रखें, क्योंकि जालसाज इन्हें बदलकर भी धोखाधड़ी करते हैं।अभियान में सीसीटीवी कैमरे लगाने पर भी जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने मौजूद लोगों से आग्रह किया कि वे अपने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में कैमरे अवश्य लगवाएं ताकि अपराधियों की पहचान समय पर की जा सके।कार्यक्रम के दौरान प्रधान प्रतिनिधि प्रदीप द्विवेदी ने एक अहम मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि इमलियाखेड़ा स्थित दवा फैक्ट्री में दर्जनों महिलाएं और युवतियां नौकरी करती हैं, जिन्हें देर रात घर छोड़ा जाता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की जरूरत है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाए जाएंगे।अंत में थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने आए हुए सभी ग्राम प्रधानों और नागरिकों का आभार जताया और कहा कि पुलिस हमेशा क्षेत्रीय जनता की सुरक्षा और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है।

आदर्श प्रेस क्लब के पत्रकारों को एसडीएम ने किया सम्मानित

● प्रेस क्लब की मासिक बैठक मे पत्रकारों ने कही अपनी-अपनी बातें, हुआ संगठन का विस्तार

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। शनिवार को सरोजनी नगर के शांति नगर में स्थित क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज में आदर्श प्रेस क्लब की मासिक बैठक का आयोजन संगठन के अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया। आयोजित बैठक में सरोजनी नगर के उप जिलाधिकारी अंकित शुक्ला भी पहुँचे और उन्होंने संगठन के पत्रकारों से उनका हाल-चाल जाना सभी पत्रकारों ने एसडीएम अंकित शुक्ला को अपना परिचय दिया उप जिलाधिकारी अंकित शुक्ला ने सभी पत्रकारों को पुष्प गमला देकर सम्मानित किया वहीं उप जिलाधिकारी ने पत्रकारों से सरोजनी नगर क्षेत्र से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की संगठन के अध्यक्ष ने संगठन से संबंधित कई मुद्दों पर पत्रकार साथियों के साथ अपनी बातें रखी। संगठन के अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संगठन आप सभी पत्रकार साथियों के साथ से ही आगे बढ़ रहा है आप सभी से मैं उम्मीद करता हूं कि आपका योगदान संगठन के प्रति सदैव ऐसा ही बना रहे जिससे कि संगठन और ऊंची बुलंदियों तक पहुंच सके।

वही संगठन के संरक्षक इंजीनियर योगेंद्र सचान ने कहा की संगठन के पत्रकार साथियों के लिए 24 घंटे हम सभी साथी खड़े हैं हमारे पत्रकार साथी को किसी भी प्रकार की कोई भी दिक्कत किसी भी समय होती है तो वह हमें बेझिझक फोन कर अपनी समस्या बता सकता है और हम लोग अपने पत्रकार साथी की मदद के लिए अवश्य खड़े होंगे यह संगठन हम सभी का परिवार है प्रत्येक सदस्य हमारा अपना है। आयोजित बैठक में प्रमोद पांडे को वरिष्ठ सलाहकार चुना गया वहीं महेंद्र कनवाल, वीरेंद्र श्रीवास्तव, संजय सिंह, अरुण शुक्ला को संगठन का सदस्य के रूप में शामिल किया गया आयोजित बैठक में संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष सिंह सेंगर, महामंत्री अरशद खान, उपाध्यक्ष अशोक द्विवेदी, कोषाध्यक्ष ऋषिराज गुप्ता, नीरज श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह यादव, संदीप शुक्ला,राहुल तिवारी, पंकज प्रजापति, राहुल सिंह यादव, धर्मवीर लोधी, शुभम यादव, डॉ. आर के विश्वकर्मा, कुलदीप विश्वकर्मा, कृष्ण द्विवेदी, इंद्रेश कुमार सिंह, अभिषेक भारती, सुमित सिंह, शरद पांडे, सचिन श्रीवास्तव समेत अन्य सम्मानित पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

राजकीय आईटीआई दुद्धी में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला आयोजित, 166 युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

स्वतंत्र प्रभात

दुद्धी, सोनभद्र। शनिवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) दुद्धी में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले (PMNAM) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह मेला युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उनके कौशल को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस मेले में कुल 166 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया, जिससे क्षेत्र के युवाओं को एक नई दिशा मिली है। प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देश पर आयोजित यह मेला सुबह 10ः30 बजे शुरू हुआ और शाम 3ः30 बजे तक चला। इसमें देश की कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने न केवल युवाओं का साक्षात्कार लिया बल्कि उनकी करियर काउंसलिंग भी की।मेले में भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियों में शामिल थीं। हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट इस कंपनी ने सबसे अधिक, 55 अभ्यर्थियों का चयन किया। सनब्राइट मैनपावर सॉल्यूशन प्रा. लि. इन्होंने 25 अभ्यर्थियों को रोजगार के लिए चुना। एपीएल अपोलो ट्यूब्स लि. इस कंपनी ने 35 युवाओं का चयन किया। सुजुकी प्रा. लि. इन्होंने 51 अभ्यर्थियों को मौका दिया।कुल 318 अभ्यर्थियों ने इस मेले में हिस्सा लिया, जिनमें से 166 का चयन पहले चरण में ही कर लिया गया। यह शिक्षुता मेला युवाओं को सीधे कंपनियों से जुड़ने का एक बेहतरीन मौका प्रदान करता है। इसके माध्यम से उन्हें न केवल रोजगार मिलता है, बल्कि वे अपने कौशल को बढ़ाकर भविष्य के लिए तैयार भी होते हैं। इस आयोजन ने दुद्धी और आसपास के क्षेत्र के युवाओं को करियर की सही दिशा चुनने में मदद की।कार्यक्रम के दौरान, नोडल प्रधानाचार्य रविंद्र पटेल और अप्रेंटिस प्रभारी विनोद कुमार यादव सहित आईटीआई के सभी कर्मचारी मौजूद रहे, जिन्होंने मेले को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

गणेश विसर्जन के लिए चिन्हित जगह का किया निरीक्षण

कानपुर। आज दिनांक 30.08.2025 को पुलिस उपायुक्त पश्चिम, दिनेश त्रिपाठी द्वारा थाना पनकी क्षेत्रान्तर्गत अरमापुर-पनकी नहर किनारे गणपति विसर्जन हेतु निर्मित कृत्रिम तालाब का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान द्वारा संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, तथा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षित विसर्जन प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त, पनकी भी उपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि गणपति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को कोई भी असुविधा न हो और संपूर्ण प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न हो।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुए व्यक्ति की मृत्यु

कानपुर। आज दिनांक 30.08.2025 को प्रातः लगभग 05ः00 बजे सूचना प्राप्त हुई कि थाना घाटमपुर क्षेत्रान्तर्गत घाटमपुर-जहानाबाद रोड पर बिल्लू ढाबे के निकट एक व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी है। पुलिस बल द्वारा घायल व्यक्ति को एम्बुलेंस-108 से सीएचसी घाटमपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मोबाइल से परिजनों से वार्ता कर शमशेर पुत्र परवेज निवासी कोड़ा गढ़ी थाना जहानाबाद जनपद फतेहपुर, आयु लगभग 40 वर्ष के रूप में हुई। मृतक अपनी मोटरसाइकिल संख्या क्क्7 1क्क्ष्2790 से जहानाबाद से घाटमपुर जा रहे थे कि हादसा हो गया। परिजनों की उपस्थिति में पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण कर शव को पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी कानपुर भेजा गया है। आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

एक साथ उठी मां-बेटे की अर्थी, करंट से हुई थी मौत

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के तेजगढ़ गांव में शुक्रवार की शाम करंट की चपेट में आने से मां विद्यावती सिंह व उसके पुत्र पीयूष प्रताप सिंह की दर्दनाक मौत हो गयी थी। शुक्रवार को देर रात पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजवाया। शनिवार को पीएम के बाद शव घर पहुंचा तो परिजन अंतिम संस्कार के लिए लेकर रवाना हो गये। मां बेटे की एक साथ अर्थी उठी तो ग्रामीणों की आंखें नम हो गयी। लीलापुर थानाध्यक्ष मनोज पाण्डेय ने बताया कि परिजनों से तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जुआ खेल रहे सात आरोपी नकदी समेत गिरफ्तार, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। पुलिस ने नकदी समेत सात आरोपियों को जुआ खेलने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उदयपुर के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार के मुताबिक गश्त के दौरान पुलिस को खानीपुर गांव के समीप रेहुआ लालगंज रोड पर जुआ खेल रहे लोगों के होने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर दबिश दिया तो सात आरोपी बयालिस सौ रूपये नकदी के साथ जुआ खेलते धराये। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी खानीपुर के सुवंश का पुरवा निवासी ध्रुव प्रताप सिंह, राजपाल सिंह, विपिन सिंह, कुलदीप सिंह, संजय सिंह, पूरे पुरंदर निवासी मनोज सिंह व रेहुआ लालगंज निवासी शिवमूर्ति सिंह के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि आरोपियों का चालान कर जेल भेजा गया है।

बड़ा चौराहा पर चला यातायात जागरुकता अभियान

कानपुर। दिनांक 30.08.2025 को बड़ा चौराहा, कानपुर में यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। बिना हेलमेट और बिना सीटबेल्ट वालों को सुरक्षा के नियम समझाए गए। कानपुर ट्रैफिक पुलिस की अपील है कि हमेशा नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीटबेल्ट जरूर लगाएँ, ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करें। ताकि सड़क हादसे और जाम से बचा जा सके।

पत्नी से झगड़े के बाद सेंट्रल पर मिली पुलवामा में तैनात सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की लाश- जांच शुरू

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। पत्नी से झगड़ा होने के बाद घर से निकले पुलवामा में तैनात सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर की लाश सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर उसी की कार से बरामद की गई है। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शाम करीब 7 बजे पार्किंग संचालक ने उनकी डेडबॉडी देखी। उसने घटना की जानकारी जीआरपी को दी। जिसके बाद तत्काल मौके पर पहुंची जीआरपी और फोरेंसिक टीम ने कार की जांच कर ने के साथ ही शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। जानकारी के मुताबिक इंस्पेक्टर उत्तराखंड के रहने वाले थे। उनकी तैनाती पुलवामा में थी।

जीआरपी इंस्पेक्टर ओम नारायण सिंह ने बताया कि उत्तराखंड के पिथौरागढ़ निवासी निर्मल उपाध्याय (38) सीआरपीएफ में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे। निर्मल की शादी 27 नवंबर 2023 को साकेत नगर निवासी राशि के साथ हुई थी।

मौके पर पहुंची पुलिस राशि ने बताया करीब 12 दिन पहले निर्मल उपाध्याय मेडिकल लीव पर कानपुर आए थे। देर रात शराब पीने के बाद हमारा आपस में झगड़ा हो गया। मेरे साथ मारपीट की। मैंने इसकी शिकायत किदवई नगर पुलिस से कर दी। इसी के बाद वह सुबह करीब 7 बजे वह

बिना बताए घर से किराएदार संजय चौहान के साथ कार से चले गए। इसी के बाद उनकी लाश कार से बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि घटना की छानबीन की जा रही है।

सिद्धार्थनगर में डीएम- एसपी ने त्योहारों को सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए आधिकारियों को दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। बारावफात एवं गणेश पूजा/गणेश प्रतिमा विसर्जन का त्यौहार सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के प्रारम्भ में जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों से आये हिन्दू/मुस्लिम समुदाय के सम्भ्रान्त नागरिकों से अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अलावा समस्त उपजिलाधिकारियों/क्षेत्राधिकारियों/समस्त थानाध्यक्षों से भी जानकारी प्राप्त किया गया। अवगत कराया गया कि पीस कमेटी की बैठक थानों पर आयोजित की गयी है। हिन्दू /मुस्लिम समुदाय के सम्भ्रान्त नागरिकों द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया कि कोई समस्या नहीं है हम सभी मिलकर सभी त्यौहार मनायेंगे। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों से आये थानाध्यक्षों से बारावफात एवं गणेश पूजा/गणेश प्रतिमा विसर्जन आदि त्यौहार के संबध में की गयी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने उपस्थित समस्त उपजिलाधिकारियों/क्षेत्राधिकारियों/समस्त थानाध्यक्षों निर्देश दिया कि त्योहार शान्तिपूर्ण/सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने के लिए अपने स्तर से समस्त तैयारियां पूर्ण करा ले। कोई भी समस्या किसी भी दशा में उत्पन्न नही होना चाहिए। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिया कि शहरी/क्षेत्रों की साफ-सफाई/पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करेंगें। जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि कोई नयी परम्परा प्रारम्भ न होने दी जाये। अराजकतत्वों के प्रति निषेधात्मक कार्यवाही की जाये। जनपद में जिन स्थलों पर गणेश प्रतिमा विसर्जित किया जाना है वहां पर निरीक्षण कर ले। जूलस मार्ग का निरीक्षण कर ले। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि

सम्बन्धित अधिकारी से विद्युत के ढीले तारों को ठीक कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि मूर्ति विसर्जन में किसी भी अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग नही किया जायेगा। प्रतिमा विसर्जन करते समय वीडियो ग्राफी/फोटाग्राफी की व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाये।डी0जे0 निर्धारित मानक के अनुसार ही बजाये। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, अधि0अभि0 विद्युत तथा समस्त थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

नवजात शिशु व बच्चों के देखभाल कार्यक्रम पर विशेष ध्यान दें- डॉ शैलेश मणि ओझा

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। भनवापुर क्षेत्र के सीएचसी सिरसिया में शनिवार को एएनएम, संगिनी व आशा बहुओ की समीक्षा बैठक आयोजित हुआ।अधीक्षक डॉ. शैलेन्द्र मणि ओझा ने खराब कार्य करने वाली आशा बहू अनीता, राजकुमारी, रीना, अफसाना, सुभावती व सुनीता को फटकार लगाई तथा कहा कि अगले एक माह में बाकी कार्य को पूरा करें, नहीं तो प्रोत्साहन राशि बाधित करते हुए आशा के पद से निष्कासित किया जाएगा।

अधीक्षक ने बताया कि आशा बहूएं गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण अंतिम मासिक तिथि से 1 माह 7 दिन के भीतर करें तथा खाने के लिए फोलिक एसिड उपलब्ध करवाए, जिससे नवजात शिशु को न्यूरोलॉजिकल परेशानी से बचाया जा सके।अधीक्षक ने कहा कि आशा बहू महिलाओं का गर्भावस्था के दौरान कम से कम चार बार प्रसव पूर्व सभी जांचें करवाएं तथा कम हीमोग्लोबिन वाली गर्भवती महिलाओं को आयरन सुक्रोज की सभी डोज जरूर दिलवाएं। उन्होंने कहा कि आशा

बहूएं संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, नवजात शिशु व बच्चों की देखभाल कार्यक्रम पर विशेष ध्यान दें। अधीक्षक कहा कि आशा बहूओं के सहयोग से ही मातृ मृत्यु व शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। अधीक्षक ने निर्देशित किया कि संगिनी व एएनएम, आशा बहूओ के कार्यो का भौतिक सत्यापन करें तथा कमियों को मौके पर ही दूर करवाऐं। बीएमसी सूर्यदेव सिंह तथा एचईओ राजीव त्रिपाठी ने आशा बहूओ को 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को एक एमएल आयरन सिरप सप्ताह में दो बार पिलाने के लिए अभिभावक को उपलब्ध करवाएं तथा डायरिया प्रबंधन में ओआरएस व जिंक के महत्व की जानकारी दे। इस दौरान मनोज कुमार, दीपक मधुकर, रीता देवी, कुंजन, नेहा, संगीता, बीटना, मीरा सिंह, आदि उपस्थित रहे।

एमईएम आदर्श इंटर कॉलेज में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग आयोजित

सिद्धार्थनगर। भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के भरवठिया मुस्तहकम स्थित एमईएम आदर्श इंटर कॉलेज में शनिवार को पेरेंट्स-टीचर मीटिंग (पीटीएम) आयोजित हुई। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज प्रबंधक डॉ. मलिक एहसान अहमद ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावक और शिक्षक दोनों के आपसी सहयोगकी जरूरत है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है जब दोनों पक्ष सक्रिय भूमिका निभाएँ। बैठक में शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें शिक्षा का अधिकार, बदलती चुनौतियाँ और विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने के उपाय प्रमुख रहे। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक आदर्श शर्मा, राहुल ओझा, एस.पी. तिवारी, नसीम अहमद, शैलेश कुमार, वाजिहुद्दीन, कुमारी सरिता, कंचन, शिखा, हरिश्चंद्र, राधेश्याम, राकेश कुमार, गीता, सुषमा ,आरजू, मुदस्सर और मोनिका आदि मौजूद रहे।

सांसद, जिपंअ, विधायक औराई ने जनपदवासियों को सुलभ आवागमन हेतु समर्पित किया 04 राजकीय बसों का संचालन

औराई बस स्टेशन से जनपद के चारों दिशाओं के लिए 04 राजकीय बसों के संचालन का हुआ शुभारंभ

औराई से चतुर्दिक दिशाओं में गोपीगंज धनतुलसी, अकोडा रोही, गोपीगंज दुर्गागंज, गोपीगंज सेमराध नाथ तक नियमित रूप से चलेगी बसें

स्वतंत्र प्रभात

भदोही 30 अगस्त 2025/औराई बस स्टेशन से जनपद के चतुर्दिक दिशाओं में यात्री आवागमन को सरल और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 04 राजकीय बसों के संचालन का शुभारंभ मा. सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक औराई दीनानाथ भास्कर, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा,पूर्व जिलाध्यक्ष हौशिला प्रसाद पाठक, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल तथा अन्य जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद ने जनपदवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में आधारभूत संरचनाओं, सड़कों और रोडवेज बसों के संचालन पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस परियोजना के तहत जनपद में चार राजकीय बसों के संचालन से स्थानीय लोगों को यात्रा में भारी सुविधा मिलेगी। इससे न केवल यात्री परिवहन में सुधार होगा बल्कि इससे पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी, क्योंकि यह बसें अधिकतम यात्रियों को एक ही बार में परिवहन करेंगी।" उन्होंने यह भी कहा कि इस कदम से ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक के लोगों को आवागमन में अधिक सुविधा होगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। विधायक औराई दीनानाथ भास्कर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, "जनपदवासियों के लिए यह एक बहुत बड़ी राहत का कार्य है। सरकार द्वारा चार राजकीय बसों का संचालन यह दर्शाता है कि सरकार आम जनता की जरूरतों को प्राथमिकता देती है। यह सुविधा उन लोगों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जो रोज़मर्रा के कामों के लिए यात्रा करते हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना से न केवल यात्री लोगों को सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी, क्योंकि बसों के संचालन के लिए स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों की आवश्यकता होगी।

अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य और मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने भी इस पहल का स्वागत किया और कहा कि इससे जनपद के विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा

एवं हौशिला प्रसाद पाठक ने इस परियोजना को जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया और इसके संचालन को लेकर सरकार के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक वाराणसी परशुराम पांडेय, सेवा प्रबंधक प्रियम श्रीवास्तव, सहायक विधि अधिकारी अवध यादव ,सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बीके श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि चारों बसों का संचालन रूट वाराणसी औराई होते हुए औराई से गोपीगंज धनतुलसी ,अकोडा रोही, गोपीगंज दुर्गागंज ,गोपीगंज सेमराध नाथ तक नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। चारों राजकीय बसों का संचालन जनपद की चार प्रमुख दिशाओं में किया जाएगा, जिससे आम जनता को विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचने में सुविधा होगी। इन बसों की नियमित सेवाएं यात्रियों को आसानी से उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, इन बसों के माध्यम से लोगों को किफायती दरों पर यात्रा करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में अन्य जनप्रतिनिधिगण, विजय बहादुर, बृजेश गुप्ता, पुलिस क्षेत्राधिकारी औराई प्रभात राय सहित अन्य उपस्थित रहे।

संगठन सृजन की बैठक में कांग्रेस पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने का संकल्प

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर विकासखण्ड के मंगापुर चौराहे पर कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम संगठन सृजन को लेकर बैठक हुई। इसमें पार्टी की नीतियों और विचारधारा को समाज के सभी वर्गो तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यकर्ताओं ने बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने का भी संकल्प लिया। वक्ताओं ने संगठन सृजन के उददेश्य के साथ ही कांग्रेस के जनोपयोगी नीतियों को मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष दृगपाल यादव व संचालन रामकृपाल पासी ने किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ0 अमिताभ शुक्ला, रामबोध शुक्ल, शिवकुमार साहू, अमर बेदर्दी, भीम यादव, वीरेन्द्र सरोज, संदीप यादव, शिवभीख सिंह, महादेव मौर्य, मुन्ना निर्मल, मोती लाल, रामदेव पाल, महादेव प्रजापति, सर्वेश पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

आपरेशन महाकाल की कामयाबी! ज़मीन हड़पने के आरोप में गिरफ्तार, परेड भी कराई

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। आपरेशन महाकाल के अंतर्गत आज अभियुक्त इस्तिहाक अहमद को कूट रचित दस्तावेज तैयार कर वादी की पैतृक जमीन को हड़पने के अरोप में चमनगंज पुलिस ने न सिर्फ गिरफ्तार किया बल्कि परेड भी कराई।

आज थाना चमनगंज पर पंजीकृत 318(4)/338/336(3)/340 (2)/61(2)/308 (5) बीएनएस थाना चमनगंज कानपुर नगर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त इस्तिहाक अहमद पुत्र इसहाक उम्र करीब 55 वर्ष नि0 88 / 334 थाना चमनगंज कानुपुर नगर को आज दिनांक 30.08.2025 को समय 12.45 बजे अजमेरी चौराहा के निकट से गिरफ्तार किया गया है।

उक्त अभियुक्त द्वारा अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर वादी तारिक आराफात खान निवासी चमनगंज कानपुर नगर के वर्ष 1980 में मृत दादा की पैतृक

संपत्ति फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से वर्ष 1990 में वादी मुकदमा के मृतक दादा के स्थान पर अन्य व्यक्ति को वादी का दादा बताकर अपने पिता के नाम हिब्बानामा कराकर तथा स्वंय 1996 में अपने पिता से अपने नाम हिब्बानामा कराकर फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से वादी मुकदमा की पैतृक संपत्ती को वर्ष 2025 में नगर निगम कानपुर को अभिलेखों में अपना नाम दर्ज करा लिया गया। तथा वादी मुकदमा द्वारा पूछे जाने पर धमकी देते हुये मकान को भूल जाने की बात कहना तथा मकान रखने की स्थिती में 50 लाख रूपये रंगदारी के रूप में माँगा गया।

आखिर अखिल कुमार को कानपुर से हटाने की इतनी जल्दी क्यों! केन्द्र से आया पत्र, जल्दी भेजें

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार का प्रमोशन के साथ तबादला चर्चा का विषय बना हुआ है। अभी कुछ दिन पहले ही अखिलेश कुमार को मैनेजिंग डायरेक्टर /चीफ एक्जीक्यूटिव आफीसर, डिजिटल इंडिया कारपोरेशन, मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी नियुक्त करते हुए केन्द्र में तबादला किया गया था। लेकिन आज ही ढ्ढक्क्र अखिल कुमार को तत्काल रिलीव करने को लेकर ग्रह मंत्रालय ने यूपी के मुख्य सचिव को पत्र लिखा।

आईपीएस अखिल कुमार के इस तबादले को भूमाफिया एडवोकेट अखिलेश दुबे की गिरफ्तारी से जोड़ कर देखा जा रहा है। आपरेशन महाकाल के द्वारा अखिलेश दुबे की गिरफ्तारी के बाद शहर में कई नामचीन लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। अखिल कुमार के तबादले में राजनीतिक हस्तक्षेप को भी लोग जोड़ कर देख रहे हैं।कानपुर में ऑपरेशन "महाकाल" चलाने वाले व वकील अखिलेश दुबे को गिरफ्तार कर जेल भेजने वाले कानपुर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार को अचानक हटा दिया जाता है व केन्द्र भेज दिया जाता है। यह बात लोगों को समझ में नहीं आ पा रही है

यह सिलसिला यही नहीं रुकता,,अब IPS अखिल कुमार को तत्काल यूपी से कार्यमुक्त करने को लेकर ग्रह मंत्रालय-भारत सरकार ने यूपी के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। वकील अखिलेश दुबे को जेल भेजने वाले व ऑपरेशन महाकाल चलाने वाले IPS का अचानक हटाए जाने के बाद यूपी की ब्यूरोक्रेसी में हलचल तेज है। चर्चाएं ये भी हैं कि कानपुर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन "महाकाल" का अब क्या होगा?

फिलहाल अब अखिल कुमार को यूपी में

पदभार छोड़ना होगा क्योंकि ग्रह मंत्रालय ने उन्हें तत्काल कार्यमुक्त करने को लेकर यूपी के मुख्य सचिव को पत्र भेजा है। पत्र में आग्रह किया गया है कि आईपीएस अखिल कुमार को तुरंत रिलीव किया जाए। आईपीएस अखिल कुमार ने कानपुर में अपराधियों विशेष कर भू माफियाओं की कमर तोड़ दी है। उनको जेल के अंदर कर उनके सभी नेटवर्क ध्वस्त कर दिए हैं। कानपुर की जनता को कमिश्नर आईपीएस अखिल कुमार से बहुत ही उम्मीद थी।

भावनात्मक स्वच्छता हमारे मन और व्यक्तित्व को संतुलित बनाए रखती है- प्रोफेसर संदीप कुमार

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में शनिवार को कुलपति प्रो कविता शाह की प्रेरणा से मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ के तत्वावधान में व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण तथा वित्तीय कल्याण विषय पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य अतिथियों एवं वक्ताओं का स्वागत छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष एवं कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो. नीता यादव ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को जीवन के विभिन्न आयामों में संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

मुख्य वक्ता प्रो. संदीप कुमार, विभाग मनोविज्ञान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण पर विचार रखते हुए कहा कि पारिवारिक, सामाजिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन के बिना जीवन अधूरा है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह

समझाया कि जैसे शारीरिक स्वच्छता हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, उसी प्रकार भावनात्मक स्वच्छता हमारे मन और व्यक्तित्व को संतुलित बनाए रखती है।

वक्ता के रूप में उपस्थित मनी केयर ऑनलाइन के प्रदीप कुमार त्रिपाठी, चीफ़ एडवाइज़र ने वित्तीय कल्याण की उपयोगिता पर जोर देते हुए कहा कि सही वित्तीय योजना, बचत की आदत और निवेश की समझ व्यक्ति को न केवल आर्थिक सुरक्षा देती है, बल्कि जीवन में आत्मविश्वास और मानसिक शांति भी प्रदान करती है। कार्यक्रम का परिचय स्वागतोदबोधन एवं संचालन अध्यक्ष मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ ,डॉ. शिल्पी श्रीवास्तव ने किया तथा धन्यवाद्

ज्ञापन प्रकोष्ठ की सदस्य एवं विभाग की अतिथि शिक्षक रौशनी ने दिया। अतिथियो का परिचय मनोविज्ञान विभाग की अतिथि प्रवक्ता कुमारी शिवानी ने किया। मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ का परिचय मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी एवं प्रकोष्ठ के सक्रिय सदस्य डॉ. मुन्नू ख़ान ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में यह प्रकोष्ठ गत वर्ष से विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रो हरीश कुमार शर्मा, प्रो सौरभ, प्रो एस के श्रीवास्तव, प्रो सत्येंद्र दुबे, डॉ लक्ष्मण सिंह, डॉ विशाल गुप्ता, डॉ हरेंद्र शर्मा सहित समस्त शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

एक साथ उठी मां-बेटे की अर्थी, करंट से हुई थी मौत

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के तेजगढ़ गांव में शुक्रवार की शाम करंट की चपेट में आने से मां विद्यावती सिंह व उसके पुत्र पीयूष प्रताप सिंह की दर्दनाक मौत हो गयी थी। शुक्रवार को देर रात पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजवाया। शनिवार को पीएम के बाद शव घर पहुंचा तो परिजन अंतिम संस्कार के लिए लेकर रवाना हो गये। मां बेटे की एक साथ अर्थी उठी तो ग्रामीणों की आंखें नम हो गयी। लीलापुर थानाध्यक्ष मनोज पाण्डेय ने बताया कि परिजनों से तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

भगवान की कथा ही मनुष्य को दिला सकती है जन्म मरण से मुक्ति- नितेशाचार्य

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। भागवत कथा सुनने वालों का भगवान हमेशा कल्याण करते हैं। भागवत पुराण में कहा गया है कि जो भगवान को प्रिय हो वही करो। हमेशा भगवान से मिलने का उद्देश्य बना लो, जो प्रभु का मार्ग हो उसे अपना लो, इस संसार में जन्म-मरण से मुक्ति भगवान की कथा ही दिला सकती है। भगवान की कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। राजा परीक्षित के कारण भागवत कथा पृथ्वी के लोगों को सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह बातें क्षेत्र के बिजवार बढ़ई गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन शुक्रवार की रात नितेशाचार्य जी महाराज ने कही। नितेशाचार्य ने बताया कि जब तक जीव माता के गर्भ में रहता है तब तक वह बाहर निकलने के लिये छटपटाता रहता है। उस समय वह जीव बाहर निकलने के लिये ईश्वर से अनेक प्रकार के वादे

करता है। मगर जन्म लेने के पश्चात सांसारिक मोह माया में फंस कर वह भगवान से किए गए वादों को भूल जाता है। जिसके परिणामस्वरूप उसे चौरासी लाख योनी भोगनी पड़ती है।व्यक्ति अपने जीवन में जिस प्रकार के कर्म करता है उसी के अनुरूप उसे मृत्यु मिलती है। भगवान ध्रुव के सत्कर्मों की चर्चा करते हुए कथावाचक ने कहा कि ध्रुव की साधना, उनके सत्कर्म तथा ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा के परिणाम स्वरूप ही उन्हें वैकुंठ लोक प्राप्त हुआ। इस दौरानपं. बालगोविन्दमिश्र, रविप्रकाश, आशुतोष, हिमांशु, अरूण, विद्या प्रकाश, रमेश प्रसाद मिश्र, दिनेश प्रसाद मिश्र, विवेक, गोविंद आदि मौजूद रहे।

पीड़िता ने जानमाल की सुरक्षा की पुलिस से लगायी गुहार

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर कैलहा निवासी अमीरूलनिशा पत्नी मो0 अनीस ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीते तीन माह में आये दिन अज्ञात बदमाशों द्वारा रात में उसका दरवाजा खोलने का जबरन प्रयत्न किया जाता है। शटर के अंदर पर्ची में जान से मारने की धमकी लिखकर दी जाती है। पति के परदेश में रहने के कारण उसे व उसके बच्चे को जान का खतरा बना हुआ है। लीलापुर एसओ मनोज कुमार पाण्डेय ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।